RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 97 , गुरुवार, 21 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

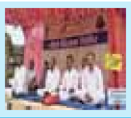
हरिद्वार की तर्ज पर बीरगंज में भी बने योग ग्राम : अशोक टेमानी 03

ई-फार्मेसी के विरोध में अरेराज के मेडिकल दुकानदारों की बंदी, पूरे दिन बंद रहीं दवा ... 04

अगर पेड़ वाईफाई देते ना तो इंसान उन्हें रिचार्ज प्लान समझकर बचा... 07

संक्षिप्त समाचार

विजय के सीएम बनते ही 'सिंघम' बनी चेन्नई पुलिस

- एक रात में ही चलाया हंटर, 100 गुंडों को किया अंदर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में टीवीके चीफ थलपति विजय के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद चेन्नई में अपराधियों पर बड़ा एक्शन सामने आया है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने एक विशेष अभियान में करीब 100 अपराधियों को अरेस्ट किया है। ये सभी राउडी (क्रिमिनल्स) हैं। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने अपने ऑपरेशन के बारे में एक्स जानकारी भी साझा की है। गौरतलब हो कि सीएम जोसेफ विजय ने चुनावों के दौरान अपराधिक गतिविधियों को अंकुश लगाने का वादा किया था। चेन्नई पुलिस के इस बड़े अभियान को उसी से जोड़कर

देखा जा रहा है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस के कमिश्नर अभी अभिन दिनेश मोदक हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के निर्देश पर अप्रैल 2026 में कार्यभार संभाला था। वह 1997 बैच के आईपीएस हैं। **ऑपरेशन क्लीन का पहला ट्रेलर-** चेन्नई पुलिस की राजधानी में बड़ी कार्रवाई के बाद यह चर्चा शुरू हो गई है कि विजय की अगुवाई वाली सरकार ऑपरेशन क्लीन के ऐक्शन को और तेज कर सकती है। चेन्नई सिटी पुलिस को ग्रेटर चेन्नई पुलिस के तौर पर जाना जाता है। पुलिस के आधीन चेन्नई मेट्रोपॉलिटिन एरिया आता है। चेन्नई शहर के अलावा जैसे चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर के कुछ हिस्से) आते हैं, जो ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की सीमा के अंतर्गत शामिल हैं। इस अधिकार क्षेत्र में 120 से अधिक पुलिस स्टेशन आते हैं।

पुतिन का भव्य स्वागत ट्रंप पर साधा निशाना

- चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ईरान युद्ध पर दिया बड़ा बयान

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को बीजिंग में व्लादिमीर पुतिन के साथ एक बैठक के दौरान रूस के साथ संबंधों की सराहना करते हुए उन्हें अराजकता के बीच शांति की एक शक्ति बताया। ये बयान काफी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई अभी भी चल

रही है। यह बैठक शी जिनपिंग की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में आयोजित एक ऐतिहासिक यूएस-चीन शिखर सम्मेलन के कुछ ही दिनों बाद हुई है। शी जिनपिंग ने बिगड़ती जा रही अंतरराष्ट्रीय स्थिति की ओर इशारा किया और अमेरिका पर परोक्ष रूप से तंज कसा। शी जिनपिंग और पुतिन के बीच ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में द्विपक्षीय बैठक हुई है।

इंटरनेट पर धूम मचा रही मोदी-मेलोनी की तस्वीर

- ग्लोबल डिप्लोमेसी की नई दूत बनी 'इंडियन टॉफी'

रोम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के दौरे पर हैं। पीएम मोदी के रोम पहुंचने पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि रोम में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त! वहीं पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट भेंट किया। इस गिफ्ट के लिए मेलोनी ने उन्हें धन्यवाद भी दिया। इतालवी पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 12 सेकंड की वीडियो क्लिप साझा की जिसमें वो भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ दिख रही हैं। इस क्लिप में वो कह रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमारे लिए बहुत अच्छा गिफ्ट लेकर आए हैं। ये टॉफियां हैं जो बहुत स्वादिष्ट हैं। इसके बाद उनकी दाईं तरफ खड़े पीएम मोदी टॉफी का पैकेट उठाते हैं जिस पर लिखा है 'मेलोडी'।

वैश्विक कूटनीति की नई दूत बनी 'मेलोडी' टॉफी

विपक्षी दलों ने भी मोदी-मेलोनी की मेलोडी डिप्लोमेसी पर टिप्पणियां भी कीं। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कभी जो 'मेलोडी टॉफी' महज बच्चों की जेब, किराने की दुकानों और छुट्टे पैसे की संस्कृति का हिस्सा हुआ करती थी, वह अब वैश्विक कूटनीति की नई दूत बन चुकी है। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा इटली की प्रधानमन्त्री को दिया गया एक साधारण-सा टॉफी पैकेट देखते ही देखते मेलोडी से मेलोनी में रूपांतरित हो गया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के गंभीर अध्येताओं के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण हो गया है, जहां कैरेमल ने कूटनीति को पीछे छोड़ दिया और रैपर ने राजनयिक दस्तावेज़ों की जगह ले ली। प्रधानमंत्री की हर ओर तारीफ हो रही है।

नौतपा से पहले | 'आग का गोला' बने शहर

- दिल्ली और यूपी में तापमान 45 डिग्री के पार
- पांच-छह दिन नहीं मिलेगी कोई राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के राज्यों में भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे अगले पांच से छह दिनों तक कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान सामान्य से कई डिग्री ऊपर बना रहेगा। उत्तर प्रदेश का बांदा जिला सबसे अधिक प्रभावित है। मंगलवार को लगातार तीसरे दिन बांदा एशिया ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री दर्ज किया गया है। यह

इतिहास में तीसरी बार है, जब बांदा में पारा 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिम से लेकर पूरब तक अगले पांच-छह दिनों तक तपिश से राहत के आसार नहीं हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश के 60 से अधिक जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने से उत्तर भारत में शुष्क और गर्म हवा का प्रभाव काफी बढ़ गया है। एक्यूआई इन की लाइव ग्लोबल टेम्परेचर रैंकिंग के मुताबिक, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। यह पहली बार है।

देशभर में 15 लाख से अधिक दवा दुकानें बंद

- ऑनलाइन बिक्री का विरोध कर रहे; एमपी, चंडीगढ़, बिहार में लोग परेशान दिखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया था।

बंद का मामूली असर दिखा। पटना के एम्स के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीएनजी में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, दवाएं नहीं मिल रही हैं। हालांकि एजेंसी ने कहा था कि बंद के दौरान भी

अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

दवा दुकानदारों की 4 मांगें

बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गलत या नकली पर्चियों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं।

कोविड-19 के दौरान सरकार ने ई-फार्मा को छूट दी

कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत सरकार ने लॉकडाउन में लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स (ऑनलाइन मेडिकल स्टोर्स) को कई बड़ी

रियायतें दी थीं। सरकार ने ई-फार्मा को आवश्यक सेवा का दर्जा दिया, जिससे लॉकडाउन में भी उनकी डिलीवरी बिना रोक-टोक जारी रही। इसके अलावा, नियमों में ढील देते हुए डॉक्टरों के डिजिटल प्रिसक्रिप्शन (व्हाट्सएप या ईमेल पर भेजी गई पर्ची) के आधार पर दवाइयां बेचने की मंजूरी दी गई। घर-घर जाकर दवाइयां पहुंचाने की प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया ताकि लोग अस्पतालों या मेडिकल स्टोर पर भीड़ लगाने के बजाय सुरक्षित तरीके से घर बैठे ही अपनी रेगुलर और जरूरी दवाइयां मंगा सकें।

भारत और इटली मजबूत करेंगे रणनीतिक रिश्ते

- रोम से पीएम मोदी का बड़ा ऐलान, मेलोनी ने आईएमईसी पर दिया जोर

रोम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ मुलाकात के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया है।

इस दौरान पीएम मोदी ने इटली को भारत का अहम साझेदार बताया और कहा कि हमारी बातचीत तय एजेंडे से कहीं आगे की है। पीएम मोदी ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को देशों की पार्टनरशिप की इंजन बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इटली अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जा रहे हैं। इस दौरान इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप कॉरिडोर को तेजी से विकसित करने पर जोर दिया।

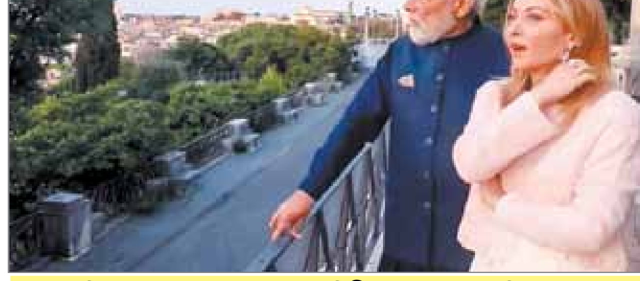

इटली के साथ स्पेशल रणनीतिक साझेदारी का ऐलान

उन्होंने कहा, पिछले लगभग साढ़े तीन साल में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का अवसर मिला है। यह भारत और इटली के बीच करीबी सहयोग और सामंजस्य को दिखाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्म-विश्वास मिला है। पीएम मोदी ने आगे कहा, मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को अपग्रेड करते हुए स्पेशल रणनीतिक साझेदारी की घोषणा कर रहे हैं।

मेलोनी ने कहा ऐतिहासिक दिन

संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने पीएम मोदी को मित्र कहकर संबोधित किया और इस मुलाकात को ऐतिहासिक बताया। मेलोनी ने कहा, आज का दिन हमारे दोनों देशों के संबंधों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मेरे मित्र नरेंद्र मोदी 2014 से भारत का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन आज इटली की उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इटली यात्रा 26 साल पहले साल 2000 में हुई थी।

संघ के लोगों से कहें पीएम-एचएम गद्दार

- राहुल गांधी का पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह पर बड़ा हमला
- कहा-देश में बिजनेस बंद हो रहे, मोदी मेलोनी को टॉफी खिला रहे

रायबरेली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को कहा कि जब आरएसएस के कार्यकर्ता आपके सामने आएंगे तो उनसे खुलकर कहिएगा कि आपका प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और संगठन गद्दार है। आपने हिंदुस्तान को बेचने का काम किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। मोदी आपको बचा नहीं पाएंगे। याद रखना, जैसे कोविड और नोटबंदी के समय रोए थे, कहा था- मुझे फांसी पर लटका देना। वैसे ही टीवी पर फिर आएंगे। हाथ जोड़ेंगे। रोएंगे। कहेंगे- मेरी गलती नहीं है। इसके बाद राहुल अमेठी पहुंचे। यहां कहा- इटली की पीएम मेलोनी को नरेंद्र मोदी टॉफी खिला रहे हैं।

बंगाल में सियासी हलचल, फिर होगा 'खेला'

- ममता ने जिसे चीफ व्हिप पद से हटाया, बीजेपी ने लुटाया प्यार
- टीएमसी सांसद काकोली घोष को केंद्र सरकार ने दी वाय कैटेगरी की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष दस्तीदार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की वाय श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। अधिकारियों के मुताबिक यह सुरक्षा 19 मई से तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। इस फैसले को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब तृणमूल कांग्रेस के भीतर संसदीय स्तर पर बड़े संगठनात्मक बदलाव किए गए हैं। इसी बीच ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस सांसदों की बैठक में वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया है। उन्होंने इस पद पर काकोली घोष दस्तीदार की जगह ली है। तृणमूल कांग्रेस संसद में अपनी रणनीति और समन्वय को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी के भीतर हुए इस बदलाव को उसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कल्याण बनर्जी की वापसी को भरोसे के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

15 विधायक बैठक से नदारद रहे

टीएमसी की बैठक में अभिषेक बनर्जी की चुनावी घोषणाओं और उनकी हालिया रहस्यमयी चुप्पी पर भी सवाल उठे। वहीं दूसरी ओर, 15 विधायकों का बैठक से नदारद रहना पार्टी के लिए सबसे बड़ा खतरे की घंटी है। सात विधायकों ने बीमारी का बहाना बनाया, लेकिन मालदा के हरिश्चंद्रपुर के विधायक का इस अहम वक्त पर दिल्ली में होना और कांग्रेस आलाकमान से संपर्क की खबरें तृणमूल की चिंता बढ़ाने के लिए काफी हैं। साथ ही, शोभनदेव चट्टोपाध्याय की विपक्ष के नेता का दर्जा दिलाने के प्रस्ताव वाले पत्र पर महज 65 विधायकों के हस्ताक्षर होना साफ दिखाता है कि दीदी के कुनबे में अब सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

टीएमसी में दिखने लगी बगावत की झलक

पश्चिम बंगाल में सत्ता छिनते ही टीएमसी में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास कालीघाट में हुई विधायक दल की बैठक महज एक समीक्षा बैठक नहीं रही, बल्कि इसने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ पनप रहे गहरे असंतोष को उजागर कर दिया है। कालीघाट में हुई बैठक में सबसे बड़ी चर्चा 15 विधायकों की भी बहाने बनाकर अनुपस्थिति रही। साथ ही तीन कद्दावर नेताओं व विधायकों ने टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए, जिसने आग में घी का काम किया। इससे पहले भी एक बैठक में कई विधायक कालीघाट आवास पर नहीं पहुंचे थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, ममता ने पहले ही सख्त हिदायत दी थी।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

- ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट में जा सकते हैं।

विपक्ष बोला-

युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो- यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौतःखरबूज और खीरा लेकर जा रहा था, एक घायल

हाजीपुर। वैशाली जिले के हथसारगंज ओपी क्षेत्र में मालटोली के पास एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार दो युवकों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवक की पहचान हथसारगंज ओपी के मालटोली गांव निवासी राम इकबाल सहनी के 20 वर्षीय पुत्र बादल कुमार के रूप में हुई है। घायल चालक मालटोली गांव के ही लक्ष्मण सहनी का 22 वर्षीय पुत्र पंकज सहनी है। उसे तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। मृतक के परिजनों ने बताया कि बादल कुमार ट्रैक्टर पर खरबूज और खीरा लेकर जा रहा था, तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में बादल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। बादल कुमार अपने तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था और खेती का काम करता था।

3814 बेटिकट यात्रियों से 25.32 लाख रुपए की वसूली, सोनपुर मंडल में टिकट चेकिंग अभियान

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में मई माह में एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को नियमसम्मत और सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करना, रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था। यह विशेष अभियान मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन के कुशल नेतृत्व और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री धीरज कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें मंडल की विभिन्न टिकट जांच टीमों, वाणिज्य निरीक्षकों और रेलवे स्टाफ के समन्वित प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अभियान के अंतर्गत मंडल के प्रमुख स्टेशनों, प्लेटफॉर्मों, यात्री ट्रेनों तथा संवेदनशील रेलखंडों में सघन टिकट जांच की गई। इसका मुख्य फोकस उन यात्रियों पर था जो बिना वैध टिकट के यात्रा कर रहे थे या अनुचित श्रेणी में सफर कर रहे थे। इस व्यापक जांच अभियान के दौरान टिकट जांच टीमों ने कुल 3814 ऐसे मामले दर्ज किए, जिनमें यात्री बिना टिकट, अनियमित टिकट अथवा अनुचित श्रेणी में यात्रा करते पाए गए। इन मामलों से रेलवे को कुल 25,32,753 की राशि जुर्माना एवं अतिरिक्त किराए के रूप में प्राप्त हुई। सोनपुर मंडल यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान निरंतर जारी रखेगा। रेलवे ने सभी सम्मानित यात्रियों से अपील की है कि वे सदैव वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें और रेलवे नियमों का पालन करें।

दवा दुकानदारों ने ऑनलाइन बिक्री के खिलाफ दुकानें की बंद

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में दवा दुकानदारों ने अपनी दुकानें एक दिन के लिए बंद रखीं। यह कदम ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) के आह्वान पर उठाया गया। उनकी मुख्य मांगों में ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक, जीएसआर 817 और कोविड जीएसआर 220 को वापस लेना, कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी छूट पर नियंत्रण और नकली दवाओं से देश को बचाना शामिल है। इस बंद के दौरान जीवन ज्योति मेडिकल, साहू मेडिकल, कुमार केमिस्ट, आदर्श मेडिकल, चौधरी मेडिकल और विनोद मेडिकल सहित लालगंज की सभी दवा दुकानें बंद रहीं। दवा दुकानदारों ने लालगंज के गांधी चौक पर हाथों में अपनी मांगों से संबंधित पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे। दवा दुकानदारों ने बंद के कारण मरीजों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और अपने आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। हालांकि, मेडिकल दुकानें बंद रहने से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दवा लेने पहुंचे एक मरीज ने बताया कि डॉक्टर से जांच कराने के बाद भी दुकानें बंद होने के कारण उन्हें दवा के लिए भटकना पड़ा।

दुर्घटना में महिला समेत 2 की मौत, बाइक की टक्कर से हादसा, सिर पर चोट लगने से यवक की गई जान

हाजीपुर। वैशाली में महुआ-ताजपुर सड़क पर हरपुर बेलवा गांव के पास मंगलवार देर रात सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान डभैच्य गांव निवासी आकाश कुमार बेटे(22) उमेश राय और चकसीया गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश पासवान की पत्नी ललिता देवी(60) के रूप में हुई है। उमेश राय अपनी बाइक से हाजीपुर जा रहे थे। हरपुर बेलवा के निकट उनकी बाइक ने सड़क पार कर रही एक महिला को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आकाश अपनी बाइक सहित सड़क पर गिर गए, जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल महिला को स्थानीय लोगों ने महुआ अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना में महिला का पोता सौरभ कुमार भी घायल हुआ है, जिसका इलाज जारी है। सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत की सूचना मिलते ही महुआ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मृतक युवक आकाश के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लावारिस बाइक जब्त करने पर 2 घंटे तक हंगामा, थानाध्यक्ष को जान से मारने की दी धमकी

हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र में एक युवक ने लावारिस बाइक जब्त होने के बाद थाना परिसर में हंगामा किया। आरोपी ने थाना अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी दी और फिर सड़क जाम कर करीब दो घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा किया। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे महेश चौक पर शुरू हुई, जब पुलिस को बिना नंबर प्लेट की एक लावारिस मोटरसाइकिल मिली। बेलसर थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बाइक को जब्त कर थाने ले आए। इसी दौरान पिंटू कुमार नामक युवक थाने पहुंचा और बाइक को अपनी बताते हुए वापस मांगने लगा। थाना अध्यक्ष द्वारा गाड़ी के कागजात मांगे जाने पर युवक भड़क गया। आरोप है कि पिंटू कुमार ने थाना परिसर में ही हंगामा करते हुए थाना अध्यक्ष को गाली दी और जान से मारने की धमकी भी दी। हंगामे के बाद युवक थाना परिसर से बाहर निकला और करीब 100 मीटर दूर एक एजेंसी की गाड़ी सड़क पर लगाकर जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लगभग दो घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर लालगंज एसडीपीओ गोपाल मंडल, इंस्पेक्टर सुबोध कुमार और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन पिंटू कुमार ने एसडीपीओ से भी तीखी बहस की और धमकी भरे अंदाज में बात की। पुलिस अधिकारियों की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह सड़क जाम हटवाया गया और यातायात बहाल किया गया। पुलिस के अनुसार, पिंटू कुमार के परिवार के सदस्यों पर पहले भी शराब कारोबार से जुड़े मामले दर्ज हैं, और इसी कार्रवाई को लेकर वह थाना अध्यक्ष से पहले से ही नाराज चल रहा था। सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने घटना की पुष्टि की है।

बीपीएससी टीआरई-4 वैकेंसी को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की टीआरई-4 (शिक्षक भर्ती परीक्षा) की वैकेंसी जल्द जारी करने की मांग को लेकर बुधवार को राजधानी पटना में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही पुलिस ने छात्र नेता रिंकल यादव को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई और अभ्यर्थियों में भारी आक्रोश फैल गया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बार-बार सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। छात्रों का आरोप है कि सरकार लगातार भर्ती प्रक्रिया में देरी कर रही है, जिससे लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। इसी नाराजगी के बीच आंदोलनकारियों ने थाली और बेलन के साथ सड़क पर उतरकर

अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और सरकार को "नींद से जगाने" की चेतावनी दी।

प्रदर्शन शुरू होने से ठीक पहले पुलिस ने छात्र नेता रिंकल यादव को हिरासत में ले लिया। रिंकल यादव पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार रह चुके हैं। आरोप है कि पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन स्थल से घसीटते हुए हिरासत में लिया, जिसके बाद वहां मौजूद छात्रों में

शिक्षा मंत्री ने जल्द विज्ञापन का दिया आश्वासन

नाराजगी और बढ़ गई। इस कार्रवाई के बाद धरना स्थल पर माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने आंदोलन को दबाने के लिए बल प्रयोग किया। छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने पहुंचे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोकने की कोशिश की।

प्रदर्शन के दौरान कुछ महिला अभ्यर्थियों के साथ भी पुलिस की सख्ती देखने को मिली। आरोप है कि धरना स्थल खाली कराने के दौरान कुछ महिला अभ्यर्थियों को जबरन हटाया गया और उनके साथ धक्का-मुक्की की गई। इस घटना के बाद प्रदर्शनकारियों में और ज्यादा नाराजगी फैल गई। वहीं प्रशासन की ओर से कहा गया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाए गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकना उनकी प्राथमिकता है और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। इस बीच राज्य के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को घबराने या पैनिक होने की जरूरत नहीं है। सरकार टीआरई-4 भर्ती प्रक्रिया को लेकर गंभीर है और इसका विज्ञापन जल्द ही जारी किया जाएगा।

हालांकि मंत्री ने वैकेंसी जारी होने की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई। उन्होंने यह भी कहा कि भर्ती प्रक्रिया में देरी जानबूझकर नहीं की जा रही है और सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने आंदोलन के पीछे कुछ बाहरी तत्वों के सक्रिय होने की आशंका भी जताई।

जल संसाधन विभाग में नई बहाली उपमुख्यमंत्री ने बांटे नियुक्ति पत्र

एजेंसी, पटना

पटना में आज जल संसाधन विभाग की ओर से नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सहायक अभियंता और लिपिक पद पर चयनित कुल 32 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने अपने हाथों से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम करने की सलाहः नियुक्ति पत्र वितरण के बाद विजय कुमार चौधरी ने सभी नवचयनित कर्मियों को संबोधित करते हुए ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विभाग में काम करने वाले हर कर्मचारी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है और उनके कार्यों से ही विभाग की छवि बनती है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मियों का समय-समय पर आकलन किया जाएगा। जो कर्मचारी बेहतर काम करेंगे, उन्हें उसका लाभ भी मिलेगा और उनकी कार्यशैली की सराहना होगी।

लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनीः उपमुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि जो लोग

बोले- ईमानदारी से काम करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

अपने काम में लापरवाही बरतेंगे या जिम्मेदारी से काम नहीं करेंगे, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में विभाग किसी प्रकार का संकोच नहीं करेगा। विजय कुमार चौधरी ने कहा, "आपके काम से ही विभाग की इमेज बनती है और आपके काम से ही विभाग की इमेज बिगड़ती भी है। इसलिए सभी लोग पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करें।"

विभागीय अधिकारियों का मानना है कि नई नियुक्तियों से जल संसाधन विभाग के कार्यों में तेजी आएगी और योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मजबूती मिलेगी। समारोह के दौरान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

सिपाही भर्ती परीक्षा की डेट जारी 14 से 24 जून तक होंगे एग्जाम

एजेंसी, पटना

बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) यानी CSBC ने तीन अलग-अलग सिपाही भर्ती परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इन परीक्षाओं का आयोजन 14 जून 2026 से 24 जून 2026 तक किया जाएगा। CSBC की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सभी परीक्षाएं बिहार के 38 जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम और जरूरी दिशा-निर्देश आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

4,236 पदों के लिए होगी पहली परीक्षाः विज्ञापन संख्या 03/2025 के तहत मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल और चलंत दस्ता सिपाही के कुल 4,236 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस भर्ती के लिए

लिखित परीक्षा 14 जून और 17 जून 2026 को आयोजित होगी। यह भर्ती अभियान सबसे बड़ा माना जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

विज्ञापन संख्या 02/2026 के तहत बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) के 993 पदों पर भर्ती होनी है। इस भर्ती की लिखित परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत विशेष शाखा, बिहार में सिपाही के 83 पदों पर भर्ती की जाएगी।

बिहार में 40 हजार से ज्यादा दुकानें बंद

एजेंसी, पटना

ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री और केंद्र सरकार की नई दवा नीति के विरोध में आज देशभर में दवा कारोबारियों की हड़ताल है। इस दौरान बिहार सहित पूरे देश में थोक और खुदरा दवा दुकानें बंद रहेंगी। राज्य में 40 हजार से ज्यादा दुकानें हड़ताल में शामिल हो रही हैं। पटना के IGIMS के बाहर दवा दुकानें बंद हैं। इससे मरीजों के अटेंडेंट परेशान हैं। उनका कहना है कि मरीज भर्ती है। दवा कहां से लाएं। दवा कारोबारियों का कहना है कि ऑनलाइन फार्मेसी कंपनियों के बढ़ते दायरे से पारंपरिक मेडिकल स्टोरों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बिहार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन और पटना केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से इस आंदोलन का समर्थन किया है। संगठनों ने सभी दवा विक्रेताओं, फार्मासिस्टों और थोक व्यापारियों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

जन औषधि केंद्र इस हड़ताल में नहीं होंगे शामिलः हड़ताल के बीच प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (PMBJK) रिटेलर एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एसोसिएशन ने घोषणा की है कि देशभर के जन औषधि केंद्र

इस हड़ताल में शामिल नहीं होंगे। सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। यह फैसला आम मरीजों को सस्ती दवाइयों की उपलब्धता कराने के उद्देश्य से लिया गया है। एसोसिएशन के महासचिव सुरेश मित्तल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, यह निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत सिंह के साथ विस्तृत चर्चा के बाद लिया गया है। संगठन का मानना है कि जन औषधि केंद्र गरीब, मध्यम वर्ग और जरूरतमंद मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और इन्हें बंद करना जनहित के खिलाफ होगा।'

दवा कारोबारियों की हड़ताल- अस्पतालों में मरीज के अटेंडेंट परेशान, आईजीआईएमएस के बाहर नहीं मिल रही दवाएं

औषधि केंद्र बंद होने से मरीजों को परेशानी होगीः एसोसिएशन ने तर्क दिया कि यदि जन औषधि केंद्र भी बंद होते हैं, तो लाखों मरीजों को आवश्यक दवाइयों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से बुजुर्ग, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज और आर्थिक रूप से कमजोर लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए, सभी रिटेलरों से अपने-अपने केंद्र नियमित रूप से संचालित करने की अपील की गई है।

संगठन ने भरोसा दिलाया है कि हड़ताल के दिन भी मरीजों को आवश्यक दवाइयों और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता दी जाएगी। जन औषधि केंद्रों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना है और इस उद्देश्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पहले पति ने सास-ससुर, पत्नी और बच्चे को लगाई आग

एजेंसी, पटना

पटना में बुधवार को पति ने पत्नी, बच्चे, वाइफ के साथ-साथ सास, ससुर को आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, महिला का पहला पति और आरोपी कन्हाई कुमार अपने साथ पेट्रोल लेकर आया था। घर में घुसते ही उसने सभी के ऊपर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। इस हमले में पुरुषोत्तम अग्रवाल (ससुर), नीलम देवी (सास), मुन्नी देवी (पत्नी) और एक बच्चा गंभीर रूप से झुलसा है। चारों का गंभीर हालत में NMCH में इलाज चल रहा है। हमले में आरोपी कन्हाई कुमार भी झुलसा है। पुलिस ने उसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मुन्नी देवी ने 15 दिन पहले कन्हाई कुमार को छोड़कर गोविंद से शादी की थी। बताया जा रहा है कि कन्हाई कुमार इसे लेकर नाराज था।

घर में घुसकर सभी को जलाया गयाः पड़ोसियों ने बताया कि, सुबह करीब 10.30 बजे राजा बाबू खाटू श्याम गली में गोविंद अग्रवाल के घर से आग की लपटें उतरी दिखीं। हम लोग दौड़ते हुए वहां पहुंचे। अंदर देखा तो 4 लोग बुरी तरह से जल रहे थे। आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया और पुलिस को भी जानकारी दी गई।

पुलिस की मदद से सभी को रेस्क्यू किया गया। संकरी गली होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई, लेकिन स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

15 दिन पहले की थी शादीः मुन्नी देवी के दूसरे पति गोविंद अग्रवाल ने बताया, "कन्हाई (आरोपी) अपनी पत्नी मुन्नी को बहुत पीटता था। इसके बाद मुन्नी ने उसे तलाक दे दिया। 15 दिन बाद मुन्नी ने मेरे साथ शादी कर ली। तलाक के एवज में कन्हाई ने हमसे 3 लाख 47 हजार रुपए लिए। उसके बाद से भी वह लगातार पैसे की मांग करता रहता था। उसने वारदात से पहले मुझे फोन किया। पूछा कि कहा हो। मैंने कहा- ऑफिस में हूं। मौके का फायदा उठाकर वो घर में घूसा और सभी

दूसरा पति बोला- तलाक के 3.50 लाख दिए और मांग रहा था, पेट्रोल लाया था

को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कन्हाई बोतलों में पेट्रोल भरकर आया था। एक बोतल पेट्रोल गली में पड़ी हुई थी।"

पुलिस बोली- हमले में आरोपी भी घायल हुआ हैः पटना सिटी SDP-2 गौरव कुमार ने बताया, कन्हाई कुमार जो पटना सिटी के रहने वाले हैं, उनकी पहली पत्नी मुन्नी कुमारी है। मुन्नी कुमारी की दूसरी शादी अप्रैल महीने में गोविंद अग्रवाल के साथ हुई थी। इसी गुस्से में कन्हाई कुमार ने बुधवार की सुबह कंगन घाट के नजदीक से ज्वलनशील पदार्थ खरीदा और लगभग 10:15 बजे के आसपास मुन्नी के ससुराल पहुंचा। कन्हाई ने गोविंद अग्रवाल के घर पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़कर आग लगा दी। इस हादसे में गोविंद कुमार की पत्नी मुन्नी देवी, उनकी मां नीलम देवी, पिता पुरुषोत्तम प्रसाद उनके दो बच्चे आज में झुलस कर घायल हो गए। कन्हाई कुमार भी इस घटना में घायल हो गए हैं। पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूरे मामले की पूछताछ कर रही है।

नीट पेपर लीक, राजद छात्र विंग ने जताया आक्रोश

एजेंसी, पटना

पटना में आज राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के छात्र विंग SSAI की ओर से NEET पेपर लीक मामले को लेकर प्रतिरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान पुतला दहन किया गया। राजद कार्यालय से पैदल मार्च कर इनकम टैक्स गोलंबर पर पुतला दहन करना था। हालांकि प्रशासन की ओर से परमिशन नहीं दी गई। इसके बाद राजद कार्यालय के बाहर ही छात्र संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का आरोपः राजद छात्र विंग का कहना है कि लगातार हो रहे पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी के कारण मेहनत करने वाले छात्रों के साथ अन्याय

हो रहा है।

सरकार के खिलाफ नारेबाजीः प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक बंद करो, "छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो" और "नीट परीक्षा में पारदर्शिता लागू करो" जैसे नारे लगाए। इस प्रतिरोध मार्च में बड़ी संख्या में छात्र और राजद कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। संगठन ने छात्रों से आंदोलन में शामिल होकर अपनी आवाज उठाने की अपील की है।

'देश की जनता त्रस्त, मोदी जी विदेश यात्रा में मस्त'

एजेंसी, पटना

बिहार की सियासत में शिक्षा को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के बयान पर तीखा पलटवार किया है। शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल में पढ़ाने की बात कहे जाने के बाद तेजस्वी यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए बीजेपी और एनडीए नेताओं पर निशाना साधा।

तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'सरकारी स्कूलों से पढ़कर ही कई लोग IAS और IPS बने हैं। तेजस्वी ने कहा कि, आज IAS और IPS की संख्या घट गई है, जिस तादात में लोग पहले जाते थे। सरकारी स्कूलों का मजाक उड़ाना गलत है।' तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'लालू-राबड़ी सरकार के समय शिक्षा मंत्री के परिवार का भी कोई न कोई सदस्य सरकारी स्कूल में जरूर पढ़ा होगा।

क्या बोले थे शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी?: पिछले दिनों शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा था कि उन्होंने "एजिटेशन" शब्द कहा था, लेकिन तेजस्वी उसे "एजुकेशन" समझ बैठे। मिथिलेश तिवारी ने कहा, "मैं शिक्षा मंत्री हूं, इसलिए तेजस्वी यादव की मैट्रिक तक की पढ़ाई सुनिश्चित कराना भी मेरी जिम्मेदारी है।' इधर, राष्ट्रीय जनता दल ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

पटना में जलजमाव को लेकर मंत्री रामकृपाल यादव सख्त

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर और खगौल नगर परिषद क्षेत्रों में हर साल होने वाली जलजमाव की गंभीर समस्या को लेकर बुधवार को अनुमंडल कार्यालय में अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने की। बैठक में बुडको, आरसीसी, नगर परिषद और सिंचाई विभाग समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश में लोगों को नहीं होनी चाहिए परेशानीः बैठक के दौरान मंत्री रामकृपाल यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि इस बार मानसून के दौरान दानापुर और खगौल के लोगों को जलजमाव की समस्या से राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, हर साल थोड़ी सी बारिश में सड़कें और मोहल्ले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। इसे रोकने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय पर कार्य पूरा करना होगा।

**नाला निर्माण और सफाई पर विशेष

जोरः** मंत्री ने नाला निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को लेकर विशेष गंभीरता दिखाई। उन्होंने संबंधित विभागों को मानसून शुरू होने से पहले सभी निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को समय पर नालों की उड़ाही कराने और जहां जल निकासी बाधित है वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बेली रोड नाला परियोजना की भी हुई समीक्षाः बैठक में बेली रोड के दोनों किनारों पर बन रहे बड़े नाले के निर्माण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बारिश शुरू होने से पहले

दानापुर-खगौल में काम तेज करने के दिए निर्देश, समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिया डेडलाइन

इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि सड़क पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न न हो।

लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनीः रामकृपाल यादव ने साफ कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल निकासी व्यवस्था में कोताही सामने आई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कई विभागों के अधिकारी रहे मौजूदः बैठक में एसडीओ Aniruddh Pandey, नगर परिषद ईओ सह प्रशासक Pankaj Kumar, खगौल नगर परिषद के अधिकारियों के अलावा बुडको, आरसीसी और सिंचाई विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंत्री को विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी सौंपी।

संक्षिप्त समाचार

फेनहारा पुलिस की कार्रवाई, 40.5 लीटर नेपाली शराब के साथ दो बाइक जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। फेनहारा थानाध्यक्ष रजनीश कुमार द्वारा थाना क्षेत्र में रात्रि वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को देखकर दो मोटरसाइकिल सवार भागने लगे। पुलिस ने दोनों वाहनों का पीछा किया। पीछा किए जाने पर इब्राहिमपुर परसौनी गांव के पास दोनों बाइक छोड़कर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से दोनों मोटरसाइकिलों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान दो बोरा में रखी 135 बोतल नेपाली रिलैक्स शराब बरामद की गई। प्रत्येक बोतल 300 एमएल की थी। बरामद शराब की कुल मात्रा 40.5 लीटर बताई गई है। जब्त वाहनों में एक लाल रंग की पल्सर मोटरसाइकिल (नंबर BR05BJ5018) तथा एक काले एवं ब्लू रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (नंबर BR05W8012) शामिल है। थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को देखकर तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने दोनों बाइक एवं बरामद शराब को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुंशी सिंह महाविद्यालय में स्नातक तृतीय सेमेस्टर परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के अंतर्गत आयोजित स्नातक (सी.बी.सी.एस.) तृतीय सेमेस्टर, सत्र 2024–28 की परीक्षा के बारहवें दिन बुधवार को मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में "कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम" के अंतर्गत 'रचनात्मक लेखन' विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सम्पन्न हुई। इस परीक्षा में कुल 2165 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। ज्ञात हो कि मुंशी सिंह महाविद्यालय को एल.एन.डी. कॉलेज, मोतिहारी एवं मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज, मोतिहारी के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा को अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई थी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने इसकी जानकारी दी।

मोतीझील और नदियों की सफाई को रफ्तार, मोतिहारी में 4 अत्याधुनिक एसटीपी का निर्माण जारी

बीएनएम @मोतिहारी। शहर के घरों एवं नालों से निकलने वाले गंदे पानी को साफ कर मोतीझील और अन्य नदियों को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने की दिशा में नगर निगम और बुडको द्वारा बड़ी पहल की जा रही है। इसी क्रम में विधायक प्रमोद कुमार, महापौर प्रीति गुप्ता एवं उप महापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने बुधवार को बुडको के अभियंताओं के साथ मोतीझील किनारे निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण के दौरान बुडको के अभियंताओं ने बताया कि मोतीझील एवं अन्य जल स्रोतों की सफाई और पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना के तहत चार अलग-अलग स्थानों पर अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। इन प्लांटों के माध्यम से झील एवं नदियों में गिरने वाले अनुपचारित सीवेज और गंदे नालों के पानी को पूरी तरह रोका जाएगा। अभियंताओं ने बताया कि प्रत्येक एसटीपी आधुनिक जैविक एवं रसायनिक शोधन तकनीक पर आधारित होगा, जिसमें स्क्रीनिंग, सेडिमेंटेशन, एरेशन तथा बायोलॉजिकल ट्रीटमेंट जैसी प्रक्रियाएं शामिल रहेंगी। इन प्रक्रियाओं के बाद ही शोधित जल को झील और नदियों में छोड़ा जाएगा। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने से मोतीझील का जल स्वच्छ एवं निर्मल बनेगा, जलीय जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्जीवित होगा तथा मोतिहारी को एक नई पहचान मिलेगी। साथ ही यह क्षेत्र पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में भी विकसित होगा। चारों एसटीपी का निर्माण कार्य वर्तमान में तेज गति से जारी है और इसे वर्ष 2027 के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विकास हत्याकांड में गिरफ्तारी नहीं होने पर फूटा गुस्सा

- **आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने गौनाहा थाना पर किया हंगामा, पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप**

बीएनएम@बेतिया।

गौनाहा थाना क्षेत्र के तुरहा टोली में हुए विकास हत्याकांड के 13 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने से परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को बड़ी संख्या में लोग गौनाहा थाना पहुंच गए और घंटों हंगामा करते हुए पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। आक्रोशित परिजनों ने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने और आरोपितों को बचाने का आरोप लगाया। लोगों का कहना था कि हत्या जैसी गंभीर घटना के इतने दिन बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं होना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है। परिजनों ने बताया कि 7 मई को विकास की निर्मम हत्या कर दी गई थी। घटना के अगले दिन सड़क जाम हटाने के दौरान पुलिस अधिकारियों ने तीन दिनों के भीतर सभी आरोपितों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था। लेकिन 13 दिन गुजर जाने के बावजूद पुलिस खाली हाथ है, जिससे लोगों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। थाना परिसर में पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि यदि पुलिस शीघ्र कार्रवाई नहीं करती है तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। स्थिति को देखते हुए थाना परिसर में काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष शंभु शरण गुप्ता ने आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराया। उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय में लंबित है तथा आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने की स्थिति में जल्द ही कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि न्यायालय से आदेश मिलते ही आरोपितों के घर इस्तेहार चस्पा कर उन्हें हाजिर होने का समय दिया जाएगा। इसके बाद भी यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस आरोपितों के संभावित ठिकानों पर लगातार नजर रख रही है और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद रहे।

थाना, ब्लॉक और अंचल कार्यालयों के आसपास सक्रिय बिचौलियों के नेटवर्क पर उठे सवाल

एफआईआर दर्ज कराने के नाम पर दस हजार की ठगी, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ राकेश कुमार

मोतिहारी/हरसिद्धि। एफआईआर दर्ज कराने, सरकारी सहायता दिलाने और प्रशासनिक कार्रवाई आगे बढ़वाने के नाम पर दस हजार रुपये की ठगी करने के मामले में हरसिद्धि पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुदही गांव निवासी नगीना साहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सिसवा गांव निवासी संजीव कुमार ने हरसिद्धि थाना में आवेदन देकर बताया कि उनके पिता मनोज कुमार सिंह के साथ घीवाढार स्थित एक व्यापारी द्वारा मारपीट की गई थी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। आरोप है कि इसी मामले में एफआईआर दर्ज कराने, सरकारी मदद दिलाने और अधिकारियों से कार्रवाई करवाने का भरोसा देकर आरोपी ने संजीव कुमार से दस हजार रुपये ले लिए। बाद में पीड़ित को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, जिसके बाद उसने हरसिद्धि थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है। इधर, इस घटना के बाद

थाना, ब्लॉक, अंचल कार्यालय और आधार केंद्रों के आसपास सक्रिय बिचौलियों के नेटवर्क पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी कार्य कराने, आवेदन आगे बढ़ाने, एफआईआर दर्ज कराने, प्रमाण पत्र बनवाने और योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर कई बिचौलिए खुलेआम सक्रिय हैं। आरोप यह भी है कि इनमें कुछ सफेदपोश लोगों की संलिप्तता भी हो सकती है, जो भोले-भाले लोगों को झांसे में लेकर अवैध वसूली करते हैं। हालांकि, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि इस पूरे खेल में केवल बिचौलिये ही नहीं, बल्कि कुछ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में जब-जब भ्रष्टाचार और अवैध वसूली का मामला सामने आया, तब-तब कार्रवाई कथित तौर पर निजी चालकों और छोटे कर्मचारियों तक ही सीमित रही। चर्चा है कि अब तक दो निजी ड्राइवर समेत तीन लोग जेल जा चुके हैं, लेकिन जांच असली जिम्मेदारों तक नहीं पहुंच सकी है। थाना, ब्लॉक और अंचल कार्यालयों के आसपास चाय-पान की दुकानों से लेकर आम लोगों के बीच इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि संरक्षण नहीं हो तो बिचौलियों का नेटवर्क इतने लंबे समय तक सक्रिय कैसे रह सकता है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने के कारण आम लोग ऐसे दलालों के झांसे में फंस जाते हैं और आर्थिक शोषण का शिकार बनते हैं। लोगों ने प्रशासन से थाना, ब्लॉक, अंचल और आधार केंद्रों के आसपास सक्रिय बिचौलियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने की मांग की है। ईधर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी सरकारी कार्य के लिए सीधे संबंधित कार्यालय या थाना से संपर्क करें तथा किसी भी बिचौलिये को पैसे देने से बचें।

बिजली की शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

» 12 बकरियां समेत अनाज, कपड़ा और गृहस्थी का सामान स्वाहा

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। गौनाहा प्रखंड के बेलवा पंचायत स्थित मुरली भरहवा गांव में मंगलवार की देर रात अचानक लगी भीषण आग से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया, जबकि लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार, भिखु शर्मा के पुत्र ध्रुप शर्मा के घर में मंगलवार की मध्य रात्रि करीब दो बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के दौरान घर में रखा अनाज, कपड़ा, लकड़ी, लोहे के सामान समेत गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। आग की इस घटना में 12 बकरियों की भी जलकर मौत हो गई, जिससे पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। अचानक उठती आग की लपटों को देखकर गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ खाक हो चुका था। ग्रामीणों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार को सामान निकालने तक का मौका नहीं मिला। घटना के बाद पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण बिजली की शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत सामग्री और उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके।

हरिद्वार की तर्ज पर बीरगंज में भी बने योग ग्राम : अशोक टेमानी

» पांच दिवसीय योग विज्ञान शिविर का भव्य समापन, योग को बताया जीवन जीने की पद्धति

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। "करें योग, रहें निरोग" के मूल मंत्र के साथ बीरगंज के घंटाघर स्थित बीपी उत्थान पार्क में आयोजित पांच दिवसीय योग विज्ञान शिविर का भव्य समापन हुआ। शिविर का सह-आयोजन बीरगंज महानगरपालिका द्वारा किया गया, जबकि पतंजलि योग समिति पर्सा एवं प्रादेशिक आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सालय ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। समापन समारोह में काठमांडू से पहुंचे योग गुरु लभदेव गुरु की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य अशोक टेमानी थे। इसके अलावा पूर्व मेयर विजय सरावगी, संस्थान के नसीब लाल, विभिन्न पदाधिकारी, योग साधक एवं बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अशोक टेमानी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है। योग व्यक्ति के शरीर ही नहीं, बल्कि उसके विचार और आंतरिक चेतना को भी सकारात्मक दिशा देता है। उन्होंने भारत के हरिद्वार

स्थित योग ग्राम का उदाहरण देते हुए कहा कि बीरगंज में भी इसी तर्ज पर योग ग्राम स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि बीरगंजवासी सामूहिक पहल करें तो यहां भी योग ग्राम की स्थापना संभव है और इसके लिए वे हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। टेमानी ने कम से कम 10 बीघा भूमि पर योग ग्राम निर्माण की आवश्यकता बताते हुए कहा कि प्रस्तावित योग ग्राम में योगासन के साथ-साथ योग चिकित्सा पद्धति, योग विश्वविद्यालय, उपचार एवं शोध केंद्र सहित योग से जुड़ी सभी गतिविधियों को शामिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयास से बीरगंज में यह महत्वाकांक्षी परियोजना सफल हो सकती है। आयोजकों ने बताया कि पांच दिनों तक पूरा बीरगंज योगमय वातावरण में डूबा रहा। प्रतिभागियों ने योग को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की। समापन अवसर पर योग गुरु लभदेव द्वारा विशेष हवन एवं मंत्रोच्चारण कराया गया। साथ ही विभिन्न योगासनों का अभ्यास भी कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एग्री स्टैक परियोजना की समीक्षा, किसानों का फार्मर आईडी बनाने में तेजी लाने का निर्देश

» लो परफॉर्मिंग कर्मियों पर कार्रवाई के संकेत, बिहार कृषि ऐप इंस्टॉल कराने पर भी जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। एग्री स्टैक परियोजना के तहत किसानों का फार्मर आईडी तैयार करने की प्रगति की समीक्षा को लेकर मंगलवार को उप विकास आयुक्त, पूर्वी चम्पारण मोतिहारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत किसानों का फार्मर आईडी तैयार कराने का कार्य हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमणशील रहें तथा अपने अधीनस्थ कर्मियों के माध्यम से किसानों को डोर-टू-डोर जाकर योजना की जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक किसानों का फार्मर आईडी बनाया जा सके। बैठक में बताया गया कि एग्री स्टैक परियोजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री का विशेष अभियान 12 मई 2026 से 30 जून 2026 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत कैंप मोड में किसानों का फार्मर आईडी तैयार किया जाएगा। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि जिन किसानों का फार्मर आईडी जेनरेट किया जाए, उनके मोबाइल फोन में अनिवार्य रूप से बिहार कृषि ऐप भी इंस्टॉल कराया जाए, ताकि किसान विभागीय योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें। समीक्षा के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर भी सख्त रुख अपनाया गया। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड में लो परफॉर्मिंग कर्मियों को चिन्हित करते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाए तथा कार्रवाई के लिए संचिका जिला कृषि पदाधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत की जाए। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो युवक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। पहाड़पुर थाना पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलुआ गांव निवासी साहेब साहनी और गुलशन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बुधवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में विशेष गश्ती अभियान और संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को दोनों युवकों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को एक मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान आरोपी वाहन से संबंधित वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें मोटरसाइकिल चोरी की होने की बात सामने आई। पुलिस ने तत्काल दोनों युवकों को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। वाहन चोरी जैसे मामलों में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। साथ ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और संभावित नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में वाहन चोर गिरोह के बीच हड़कंप मचा हुआ है।

मनरेगा योजनाओं में लापरवाही पर डीडीसी सख्त, सभी पीओ से मांगा जवाब, वेतन बंद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्ण भवन सभागार में जल संसाधन विभाग एवं मनरेगा योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में जल संसाधन विभाग के सभी प्रक्षेत्रों के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता तथा मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे। बैठक में मनरेगा एवं जल संसाधन विभाग के अभिसरण से संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त 614 योजनाओं की कार्य प्रारंभ स्थिति, योजनाओं की जियो-टैगिंग, एमआर जनरेशन, मानव दिवस सृजन, पंचायतवार योजनाओं का क्रियान्वयन, ई-केवाईसी की प्रगति तथा जल संरक्षण, जल संचय, प्लांटेशन, नहर, आहर एवं पईन से संबंधित योजनाओं की जल-जीवन-हरियाली पोर्टल पर प्रविष्टि की स्थिति की गहन जांच की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जल संसाधन विभाग के तहत पूर्वी चंपारण के लिए नामित नोडल पदाधिकारी सह कार्यपालक अभियंता, तिरहुत नहर प्रमंडल, मोतिहारी को योजनाओं की अद्यतन जानकारी नहीं थी। उन्हें यह भी जानकारी नहीं थी कि कितनी योजनाएं प्रारंभ हुई हैं तथा कितनी योजनाओं पर एमआर निकल रहा है। इस पर डीडीसी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि योजनाओं की नियमित समीक्षा नहीं की जा रही है। वहीं, मनरेगा के तहत मात्र 14 प्रतिशत मानव दिवस सृजन पाए जाने पर उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगते हुए उनका वेतन बंद करने का निर्देश दिया। साथ ही 25 मई 2026 तक मानव दिवस सृजन को बढ़ाकर कम-से-कम 80 प्रतिशत करने का सख्त निर्देश दिया गया।

सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के तहत जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 की हुई शुरुआत

गांवों में ट्रांसेक्ट वॉक कर अधिकारियों ने जानी जमीनी हकीकत, 23 मई को होगी जन सुनवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के अंतर्गत क्षेत्रीय स्तर पर "विलेज इमर्शन ड्राइव्स – ए विलेज कॉन्टैक्ट एक्टिविटी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। "जन भागीदारी अभियान – सबसे दूर, सबसे पहले" थीम के तहत अधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर जनजातीय समुदायों की समस्याओं एवं जरूरतों का जायजा लिया। कार्यक्रम के दौरान संबंधित प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा कल्याणपुर प्रखंड के दरमहा स्थित रामगढ़वा टोला तथा केसरिया प्रखंड के पश्चिमी सरोतर गांव में ट्रांसेक्ट वॉक आयोजित की गई। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक

परिस्थितियों का अवलोकन करते हुए लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, अधिकारों एवं सुविधाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को 23 मई 2026 को आयोजित होने वाले "जन सुनवाई" कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा तथा पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। शिकायत निवारण एवं अधिकार आधारित लाभों के त्वरित समाधान पर विशेष बल दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों एवं ग्रामीणों से अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि जनजातीय समुदायों तक सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु विभाग द्वारा प्राधिकृत निरीक्षक मनोज कुमार द्वारा अभियान का गहन निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी केसरिया विकास कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कल्याणपुर जयश्री सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों व गर्भवती महिलाओं को लगाया गया इंजेक्शन

बीएनएम @ योगापट्टीः योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर 7 के केंद्र संख्या 68 एवं विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को आवश्यक इंजेक्शन और टीके लगाए गए। स्वास्थ्य कर्मियों एएनएम सुजाता सिन्हा ने बताया कि टीकाकरण से बच्चों को कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षा मिलती है, वहीं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की भी निगरानी की जाती है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर सुबह से ही महिलाओं और बच्चों की भीड़ देखी गई। कार्यक्रम के दौरान मौजूद आसा रमिता देवी पति वाल्मीकि गिरी ने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे नियमित टीकाकरण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे और गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। मौके पर आंगनबाड़ी सेविका निशा देवी, सहायिका और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।

पुलिस ने फरार तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ शेखपुरा। जिले के अरियरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महुली थाना की पुलिस ने फरार चल रहे वारंटी के विरुद्ध अभियान चलाकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान चोरदरगाह गांव निवासी चप्पल चौधरी के पुत्र तुलसी चौधरी, तुलसी चौधरी के पुत्र कमलेश चौधरी और कपिल चौधरी के पुत्र पंकज चौधरी के रूप में की गई है। महुली थाना के थानाध्यक्ष रामप्रवेश भारती ने बताया कि कोर्ट से निर्गत वारंट के आधार पर सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

आनंद मोहन के नीतीश पर बयान से सियासी हलचल

बीएनएम @ पटना। बिहार की सियासत में एक बार फिर पूर्व सांसद आनंद मोहन के बयान ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। जेडीयू से उनके बेटे चेतन आनंद विधायक हैं और पत्नी लवली आनंद सांसद हैं, इसके बावजूद आनंद मोहन ने सरकार और सत्ता पक्ष की कार्यशैली पर खुलकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय के बंटवारे से लेकर परिवारवाद, टिकट वितरण और मंत्री पदों तक पर तीखी टिप्पणी की। आनंद मोहन ने बिना सीधे नाम लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि "स्वास्थ्य मंत्रालय ऐसे लोगों को दे दिया गया है, जिन्हें खुद डॉक्टर की जरूरत है।" पूर्व सांसद ने यह भी दावा किया कि बिहार की राजनीति में अब सिर्फ चुनावी टिकट ही नहीं, बल्कि मंत्री पद तक सौदेबाजी के जरिए तय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के लेनदेन के आधार पर फैसले हो रहे हैं, हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम सार्वजनिक रूप से नहीं लिया। उनके बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। परिवारवाद के मुद्दे पर भी आनंद मोहन ने सत्ता पक्ष को घेरा।

बढ़ते अपराध और बेरोजगारी के सवाल पर जनसुराज की प्रेस वार्ता

बीएनएम @ शेखपुरा। जिले में बढ़ते अपराध, बेरोजगारी और महंगाई पर जनसुराज की जिला इकाई ने गोपाल प्रसाद कार्यकारी जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रेस वार्ता में कार्यकारी जिलाध्यक्ष गोपाल प्रसाद ने बताया की जबसे सम्राट चौधरी सीएम बने हैं तबसे अपराध का ग्राफ बढ़ा है। लॉ एन्ड ऑर्डर पूरी तरह से फेल है। जिला प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रही है। जनसुराज के जिलाध्यक्ष की गिरफ्तारी पर कार्यकारी जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाई के द्वारा ही एससी/एसटी का मुकदमा किसी दूसरे व्यक्ति से दर्ज कराया गया था जिसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई है।वहीं महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष संगीता पासवान ने कहा कि सरकार ने चुनाव के दौरान महिलाओ से दो लाख जीविका के माध्यम से दिलवाने का वादा करके महिलाओं को दस हजार देकर वोट तो ले लिया लेकिन महिलाएं आज ठगी हुई महसूस कर रही है। प्रेस वार्ता में विकास कुमार, संजीव कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे.

पटना में आरजेडी का पोस्टर साटकर पीएम पर साधा निशाना

बीएनएम @ पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर पोस्टर वार शुरू हो गया है। राजधानी पटना में राजद ने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं को लेकर तीखा हमला बोला है। पार्टी कार्यालय के बाहर लगाए गए पोस्टर्स में लिखा गया है, "देश की जनता त्रस्त, मोदी जी विदेश यात्रा में मस्त"। इस पोस्टर अभियान के जरिए आरजेडी ने महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश की है। पोस्टर्स में पेट्रोल-डीजल की कीमतों, सोने के बढ़ते दाम और विदेशी दौरों पर होने वाले खर्च का मुद्दा उठाया गया है। आरजेडी नेताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार आम जनता की समस्याओं से ध्यान हटाकर विदेश यात्राओं और बड़े आयोजनों पर ज्यादा फोकस कर रही है। पार्टी का कहना है कि देश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं दिख रही। हालांकि भाजपा और जेडीयू की ओर से इस पोस्टर विवाद पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ताधारी गठबंधन इसे विपक्ष का चुनावी स्टंट बता सकता है। फिलहाल, पटना में लगे ये पोस्टर्स राज्य की सियासत में नई बहस का केंद्र बन गए हैं।

समस्तीपुर में पुलिस-मुठभेड़ में कुख्यात घायल, गिरफ्तार

बीएनएम @ समस्तीपुर। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत देर रात पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में कुख्यात अपराधी प्रिंस कुमार घायल हो गया। उसके पैर में गोली लगी है। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि लूट और छिनतई की कई घटनाओं में शामिल प्रिंस कुमार अपने सहयोगियों के साथ इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम छापेमारी करने पहुंची। पुलिस के मुताबिक खुद को घिरता देख प्रिंस कुमार ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसके पैर में गोली लग गई। गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि प्रिंस कुमार जिले में लगातार हो रही लूट और छिनतई की घटनाओं में शामिल रहा है और पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी।

ई-फार्मेसी के विरोध में अरेराज के मेडिकल दुकानदारों की बंदी, पूरे दिन बंद रहीं दवा दुकाने

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को अरेराज में मेडिकल दुकानदारों ने एकजुट होकर अपनी दुकानों को बंद रखा। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर आयोजित 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का असर अरेराज बाजार समेत आसपास के क्षेत्रों में भी साफ तौर पर देखने को मिला। हड़ताल के समर्थन में थोक और खुदरा दवा विक्रेताओं ने दिनभर मेडिकल स्टोर बंद रखकर ई-फार्मेसी व्यवस्था के खिलाफ विरोध जताया। दवा व्यवसायियों का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री के बढ़ते चलन से छोटे दुकानदारों के व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उनका आरोप है कि बिना पर्याप्त निगरानी के ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री मरीजों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है। दवा दुकानदारों ने कहा कि मेडिकल व्यवसाय केवल व्यापार नहीं बल्कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में बिना डॉक्टर की उचित सलाह और जांच के ऑनलाइन दवाओं की आसान उपलब्धता गलत दवा सेवन जैसी समस्याओं को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री के लिए सख्त नियम बनाने और स्थानीय दवा व्यवसायियों के हितों की रक्षा करने की मांग की। हड़ताल के कारण अरेराज एवं आसपास के अधिकांश मेडिकल स्टोर पूरे दिन बंद रहे। इससे सामान्य दवा लेने पहुंचे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। हालांकि, गंभीर मरीजों को राहत देने के लिए कुछ दुकानों पर आपातकालीन दवाओं की व्यवस्था सीमित रूप में जारी रखी गई। दवा व्यवसायियों ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करती है, तो आगे आंदोलन को और तेज किया जाएगा। रामगढ़वा। ई-फार्मेसी के विरोध में बुधवार को दवा कारोबारियों की देशव्यापी हड़ताल का असर रामगढ़वा प्रखंड में भी व्यापक रूप से देखने को मिला। प्रखंड की 30 से अधिक दवा दुकानें दिनभर बंद रहीं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से नियमित दवा लेने पहुंचे मरीज सबसे अधिक प्रभावित दिखे। सुबह से ही बाजार की मेडिकल दुकानों के शटर बंद मिलने पर लोग दवा के लिए इधर-उधर भटकते रहे। कई मरीज जरूरी दवाएं नहीं मिलने से परेशान नजर आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि खबर लिखे जाने तक दवा नहीं मिलने से किसी आपात स्थिति की सूचना सामने नहीं आई। हड़ताल का नेतृत्व कर रहे दवा व्यवसायी आरिफ आलम, विकास, अजहर जावेद, गणेश कुमार और विशाल गुप्ता ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण छोटे दवा कारोबारियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। उनका आरोप है कि ई-फार्मेसी के माध्यम से बिकने वाली दवाओं की गुणवत्ता, नकली दवाओं की रोकथाम और डॉक्टर के पर्चे की जांच को लेकर कोई मजबूत व्यवस्था नहीं है, जो आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। दवा व्यवसायियों ने सरकार से ई-फार्मेसी के अनियंत्रित विस्तार पर रोक लगाने और इसके लिए स्पष्ट एवं सख्त नियामक नीति लागू करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो स्थानीय मेडिकल दुकानदारों का रोजगार पूरी तरह प्रभावित हो जाएगा। स्थानीय दवा व्यवसायी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। दवा व्यवसायी आरिफ आलम ने कहा, "हम मरीजों की परेशानी समझते हैं, लेकिन अपने अस्तित्व को बचाने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। सरकार यदि ई-फार्मेसी को सही तरीके से रेगुलेट करे तो यह सभी के लिए बेहतर होगा।"

डीएफसी परियोजना में अंडरपास की मांग तेज

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। जिले के फतेहपुर-मानपुर क्षेत्र के गेरे गांव के किसानों ने ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के तहत निर्माण कार्य में अंडरपास और जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को गांव के रहने वाले श्याम नंदन सिंह के साथ दर्जनों की संख्या में गांव वालों ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर गुहार लगाई। गांव के रहने वाले श्याम नंदन सिंह ने रेलवे अधिकारियों और रेल मंत्रालय को आवेदन सौंपा है। गांव के रहने वाले दर्जन किसानों का कहना है कि इस गांव में 200 घर हैं। यदि समय रहते अंडरपास और ब्रिज का निर्माण नहीं कराया गया, तो गांव की बड़ी आबादी और सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि प्रभावित हो जाएगी। ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन में प्रेस वार्ता कर बताया गया है कि गेरे गांव में रेलवे लाइन निर्माण के लिए मिट्टी भराई का कार्य तेजी से चल रहा है। इस निर्माण के कारण खेतों में पानी निकासी बाधित होने की आशंका है, जिससे खेती योग्य भूमि जलजमाव की समस्या से ग्रसित हो सकती है। किसानों ने कहा कि पानी का बहाव रुकने से गांव का बड़ा हिस्सा बंजर बनने की स्थिति में पहुंच सकता है।

सिक्योरिटी गार्ड और सीसीटीवी के बावजूद जीएमसीएच में वाहन चोर बेखौफ

अस्पताल परिसर से लगातार हो रही बाइक चोरी, प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल

बीएनएम @बेतिया

बेतिया। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल (जीएमसीएच) में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हैरानी की बात यह है कि अस्पताल परिसर में जगह-जगह सिक्योरिटी गार्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर मरीजों और उनके परिजनों की बाइक उड़ा रहे हैं। लगातार हो रही घटनाओं के बाद भी अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। बताया जाता है कि इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए अब अस्पताल परिसर में वाहन खड़ा करना बड़ी चुनौती बन गया है। लोग इलाज से ज्यादा अपने वाहन की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। ताजा मामला नगर थाना क्षेत्र का है। बेतिया नगर निवासी ओमप्रकाश साह अपनी मौसी श्रीदुलारी देवी का इलाज कराने जीएमसीएच पहुंचे थे। उन्होंने अस्पताल परिसर में अपनी मोटरसाइकिल खड़ी की और मरीज को इलाज के लिए अंदर लेकर चले गए। कुछ देर बाद जब वापस लौटे तो पार्किंग में लगी उनकी बाइक गायब थी। पीड़ित ने काफी देर तक अस्पताल परिसर और आसपास अपनी बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने नगर थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया और अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाइक बरामद करने की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जीएमसीएच परिसर में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई वाहन चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन न तो अस्पताल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की और न ही सीसीटीवी मॉनिटरिंग को प्रभावी बनाया गया। आरोप है कि परिसर में तैनात सुरक्षा व्यवस्था केवल दिखावा बनकर रह गई है, जिसका फायदा चोर उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी हो और संदिग्ध लोगों पर पैनी नजर रखी जाए तो वाहन चोरी की घटनाओं पर काफी हद तक रोक लग सकती है। स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन और पुलिस से संयुक्त रूप से सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने, पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने और वाहन चोर गिरोह पर कार्रवाई की मांग की है।

तेल बाजार पर अमेरिका की पकड़ मजबूत होगी

चूंकि यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल का उत्पादन और बिक्री करेगा, अतः खरीदार देशों के पास सौदेबाजी के लिए ओपेक में बचे 11 और ओपेक+ के 22 देशों के अतिरिक्त भी एक विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। ईरान और अमेरिका- इजराइल के युद्ध से दुनिया- खास कर पश्चिम एशिया में- कई तरह के ढांचागत बदलावों के संकेत उभरे हैं। उस दिशा में पहली ठोस खबर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल उत्पादक देशों के संगठनों ओपेक एवं ओपेक+ से अलग होने के रूप में आई है। यूएई के इस फैसले का अर्थ है कि विश्व तेल बाजार अब पहले जैसा नहीं रह जाएगा। मासिक उत्पादन का कोटा तय कर मूल्य नियंत्रित करने की इन संगठनों की ताकत को अब तगड़ा झटका लगा है। इसका सबसे खराब असर सऊदी अरब पर पड़ेगा, जो ओपेक की धुरी रहा है। चूंकि यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल का उत्पादन और बिक्री करेगा, अतः खरीदार देशों के पास सौदेबाजी के लिए ओपेक में बचे 11 और ओपेक+ के 22 देशों के अतिरिक्त भी एक विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। अमेरिका के एक बड़े तेल उत्पादक के रूप में उभरने और वेनेजुएला के तेल भंडारों पर उसका कब्जा होने के बाद ओपेक+ ढांचे के अलावा पहले ही एक बड़े विक्रेता के रूप में वह मौजूद हो चुका है। कयास है कि यूएई अमेरिका से तालमेल कर तेल की कीमतें तय करेगा। इससे तेल बाजार पर अमेरिका की पकड़ मजबूत होगी। बहरहाल, तेल बाजार में आ रहे इस ढांचागत बदलाव के साथ-साथ विभिन्न देशों के ऊर्जा बास्केट में भी बड़े परिवर्तन के अनुमान हैं। इनके मुताबिक इस बास्केट में ग्रीन एनर्जी, परमाणु ऊर्जा, और कोयला की जगह बढ़ने जा रही है। इससे दीर्घकाल में कच्चे तेल की मांग में गिर सकती है। इस संभावना को लेकर बड़ी तेल कंपनियां चिंतित हैं। फिर पश्चिम एशिया- खास कर खाड़ी क्षेत्र के समीकरणों में भी बदलाव की ठोस गुंजाइशें हैं। वहां अनेक देशों में ईरान के साथ सुरक्षा समझौते की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है। इसके साथ ही तेल, गैस, एवं अन्य कारोबार की मुद्रा में क्रमिक परिवर्तन अब ठोस रूप ग्रहण कर रह है। चीन की मुद्रा युवान को डॉलर का विकल्प मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये सारे बुनियादी परिवर्तन हैं। इनके ठोस आकार लेने के बाद दुनिया 28 फरवरी के पहले जैसी नहीं रह जाएगी।

पृथ्वी पर जीवन के लिए खतरा है बढ़ता वैश्विक तापमान

मनोज कुमार अग्रवाल

मानवीय गतिविधियों और अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, जिससे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है और मौसम का चक्र पूरी तरह से असंतुलित हो गया है। इसके प्रभाव गंभीर प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु संकट के रूप में सामने आ रहे हैं। कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों, विशेष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन का स्तर तेजी से बढ़ रहा है।जंगलों को लगातार काटने से कार्बन को सोखने वाले प्राकृतिक साधनों में भारी कमी आई है। कारखानों और वाहनों विशेष कर हवाई जहाज से निकलने वाला धुआं पर्यावरण को लगातार गर्म कर रहा है।पृथ्वी के तापमान में हो रही वृद्धि से ग्लेशियर और ध्रुवीयबर्फ तेजी से पिघल रहे हैं, जिससेसमुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। कभी सूखा तो कभी अत्यधिक बारिश की स्थिति बन रही है। इसके अलावा भीषण गर्मी (हीटवेव) का प्रकोप बढ़ता जा रहा है लगातार गर्म होते समुद्रों और बदलते मौसम से समुद्री जीवों का जीवन और कृषि उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे है ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक जीव यहां तक कि वनस्पति भी त्रस्त है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। चूंकि यह एक शुरुआत भर है, इसलिए अगर हम अभी से नहीं संभलें तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है।

वैज्ञानिक अनुसंधान की रिपोर्ट बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग धरती के वातावरण के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी है। हमारी धरती प्राकृतिक तौर पर सूर्य की किरणों से उष्मा प्राप्त करती है। ये किरणें वायुमंडल से गुजरती हुईं धरती की सतह से टकराती हैं और फिर वहीं से परावर्तित होकर पुनः लौट जाती हैं। धरती का वायुमंडल कई गैसों से मिलकर बना है जिनमें कुछ ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं इससे धरती के ऊपर एक प्रकार से एक प्राकृतिक आवरण बना लेती हैं। यह आवरण लौटती किरणों के एक हिस्से को रोक लेता है और इस प्रकार धरती के वातावरण को गर्म बनाए रखता है। गौरतलब है कि मनुष्यों, प्राणियों और पौधों के जीवित रहने के लिए कम से कम 16 डिग्री सेल्शियस तापमान आवश्यक होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीनहाउस गैसों में बढ़ोतरी होने पर यह आवरण और भी सघन होता जाता है। ऐसे में यह आवरण सूर्य की अधिक किरणों को रोकने लगता है और फिर यहीं से ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव शुरू हो जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार तो मनुष्य और उसकी गतिविधियां ही हैं। मानव यूं तो अपने आप को इस धरती का सबसे बुध्दिमान प्राणी समझते हैं लेकिन मनुष्य अनजाने में या जानबूझकर अपने ही जीवन को खत्म करने पर तुला हुआ है। मनुष्य जनित मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृध्दि हो रही है। वाहनों, हवाई जहाजों, बिजली बनाने वाले संयंत्रों उद्योगों इत्यादि से अंधाधुंध होने वाले गैसीय उत्सर्जन की वजह से कार्बन डायआक्साइड में बढ़ोतरी हो रही है। जंगलों का बड़ी संख्या में हो रहा विनाश इसकी दूसरी वजह है। जंगल कार्बन डायआक्साइड की मात्रा को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं, लेकिन जंगलों की बेतहाशा कटाई से यह प्राकृतिक नियंत्रक भी हमारे हाथ से छूटता जा रहा है।

इसकी एक अन्य वजह सीएफसी है जो रेफ्रीजिरेटर्स, अग्निशामक दमकल यंत्रों इत्यादि में इस्तेमाल की जाती है। यह धरती के ऊपर बने एक प्राकृतिक आवरण ओजोन परत को नष्ट करने का काम करती है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली घातक पराबैंगनी किरणों को धरती पर आने से रोकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ओजोन परत में एक बड़ा छिद्र हो चुका है जिससे पराबैंगनी किरणें सीधे धरती पर पहुंच रही हैं और इस तरह से उसे लगातार गर्म बना रही हैं। यह बढ़ते तापमान का ही नतीजा है कि ध्रुवों पर सदियों से जमी बर्फ भी पिघलने लगी है। विकसित या हो अविकसित देश, हर जगह बिजली की जरूरत बढ़ती जा रही है। बिजली के उत्पादन के लिए जीवाष्म ईंधन का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में करना पड़ता है। जीवाष्म ईंधन के जलने पर कार्बन डायआक्साइड पैदा होती है जो ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव को बढ़ा देती है। इसका नतीजा ग्लोबल वार्मिंग के रूप में सामने आता है।

पिछले दस सालों में धरती के औसत तापमान में 0.3 से 0.6 डिग्री सेल्शियस की बढ़ोतरी हुई है। आशंका यही जताई जा रही है कि आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग में और बढ़ोतरी ही होगी।यूपी के बांदा में 19 मई को तापमान 48 सेल्सियस तक पहुंच गया वह दिन दूर नहीं जब देश भर में यही तापमान जीवन को अस्तव्यस्त करेगा।

ग्लोबल वार्मिंग को लेकर कई दशकों से वैज्ञानिक चिंता जाहिर कर रहे थे, लेकिन सरकार और आम जनता दोनों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जिस वजह से अब मौसम में भयानक बदलाव हो रहा है। इस साल मार्च से ही भीषण गर्मी शुरू हो गई थी। अब तो भारत के ही कई शहरों में पारा 50 डिग्री के आसपास है। इस बीच एक और चिंताजनक खबर सामने आई है।गुजरात में भी इन दिनों गर्मी का कहर जारी है। इंसान तो एसी, पंखे और कूलर का सहारा लेकर खुद को किसी तरह बचा ले रहे, लेकिन बेजुबानों के लिए ये गर्मी काल बन गई है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी गुजरात में बड़ी संख्या में पक्षी आसमान से बेहोश होकर गिर रहे, इसके पीछे की वजह भीषण गर्मी है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अब तापमान इतना ज्यादा हो गया है कि पक्षी उसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि आज पक्षी बेहोश होकर गिर रहे हैं आने वाली विपदा का संकेत है यही दशा मानव समुदाय की होने वाली है। आज भी हजारों लोग लू और बढते तापमान को झेल नहीं पाते हैं और हीट स्ट्रोक, ब्रैन हेमरेज आदि की चपेट में आकर असमय जान गंवा देते हैं। साल दर साल धरती का तापमान बढ़ेगा जिससे ग्लैशियरों पर जमा बर्फ पिघलने लगी है । ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर मनुष्य पर ही पड़ेगा और कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पडेग़ा। गर्मी बढ़ने से मलेरिया, डेंगू और यलो फीवर जैसे संक्रामक रोग बढ़ेंगे। संभवत कोरोना भी इसी कड़ी का हिस्सा है। वह समय भी जल्दी ही आ सकता है जब हममें से अधिकाशं को पीने के लिए स्वच्छ जल, खाने के लिए ताजा भोजन और श्वास लेने के लिए शुध्द हवा भी नसीब नहीं हो।

ग्लोबल वार्मिंग का पशु-पक्षियों और वनस्पतियों पर भी गहरा असर पड़ेगा। माना जा रहा है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही पशु-पक्षी और वनस्पतियां धीरे-धीरे उत्तरी और पहाड़ी इलाकों की ओर प्रस्थान करेंगे, लेकिन इस प्रक्रिया में कुछ अपना अस्तित्व ही खो देंगे।

इसमें कोई शक नहीं है कि गर्मी बढ़ने से ठंड भगाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली ऊर्जा की खपत में कमी होगी, लेकिन इसकी पूर्ति एयर कंडिशनिंग में हो जाएगी। घरों को ठंडा करने के लिए भारी मात्रा में बिजली का इस्तेमाल करना होगा। बिजली का उपयोग बढ़ेगा तो उससे भी ग्लोबल वार्मिंग में इजाफा ही होगा। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटा जा सकता है। बशर्ते इसके लिए हमें कई प्रयास करने होंगे। इसके तहत हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम करना होगा।सोलर सिस्टम भी वातावरण को उष्मा दे रहे हैं अनुसंधान बता रहे हैं कि जिन शहरों में सोलर सिस्टम अधिक हैं वहां का तापमान तुलनात्मक एक से दो सेलशियस बढ़ जाता है।

क्या यह जिम्मेदारी केवल सरकार की है? साधन सम्पन्न लोग तमाम तरह से मनमाना आचरण करते हैं पानी का अपव्यय उर्जा का अपव्यय दूसरों के जीवन में असहजता लाता है लेकिन छोटे गाँव कस्बों में भी सबमर्सिबल पंप और हर कमरे में एसी लगाना स्टेटस सिंबल बन गया है। हम सभी भी पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं।जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। इससे भी ग्लोबल वार्मिंग के असर को किया जा सकता है। तकनीक का विकास कर हमें ऐसे रेफ्रीजरेटर्स बनाने होंगे जो सीएफसी का उपयोग न करें। अब भी नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

क्या है भारत में विद्या व विद्यार्थियों का भविष्य

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारा देश से की जा रही मन की बात के 131वें एपिसोड में गत 22 फ़रवरी 2026 को छात्रों से परीक्षा पे चर्चा की थी। अपने इस संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिये गये उपदेशों में कहा कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। शिक्षा जीवन को संवारने का एक माध्यम है, जबकि परीक्षा केवल आत्म-मूल्यांकन का ज़रिया है। उन्होंने छात्रों से परीक्षा को किसी बड़े बोझ या हौवे के रूप में देखने के बजाय इसे एक उत्सव की तरह मनाने की अपील की थी । पढ़ाई, आराम, शारीरिक खेलकूद और अपने शौक़ के बीच एक सही संतुलन बनाने को ज़रूरी बताया था। मोदी ने छात्रों को सलाह दी थी कि कुछ छात्र रात में पढ़ना पसंद करते हैं तो कुछ सुबह जल्दी, अपनी इसी मूल शैली पर विश्वास रखें। उन्होंने छात्रों को यह सलाह भी दी कि वे अपने मन की चिंताओं को अपने माता-पिता और परिवार के साथ खुलकर साझा करें, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। अभिभावकों को सलाह देते हुये उन्होंने कहा था कि माता-पिता को बच्चों पर उनकी इच्छा के विरुद्ध विशिष्ट करियर चुनने का दबाव नहीं बनाना चाहिए। हर बच्चा अपने आप में अनूठा होता है। इसी तरह उन्होंने शिक्षकों को भी सलाह दी कि उन्हें छात्रों की सीखने की गति को समझना चाहिए और उनके लिए ऐसे लक्ष्य तय करने चाहिए जो पहुंच में हों लेकिन जिन्हें प्राप्त करने के लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़े।

प्रधानमंत्री के उपरोक्त कथन में यह बात पूरी तरह विरोधाभासी है कि अंकों से किसी की योग्यता तय नहीं होती। क्योंकि आज के दौर में एडमिशन,वरीयता सूची,श्रेणी निर्धारण,चयन आदि हर जगह अंक प्रतिशत की ही होड़ लगी हुई है। परन्तु प्रधानमंत्री ने इन्हीं छात्रों को कभी यह नहीं बताया कि यदि आपकी जी तोड़ मेहनतों के बाद परीक्षा के पर्चे लीक हो जायें व परीक्षा ही स्थगित कर दी जाये तो आख़िर छात्रों को ऐसे सदमे से कैसे उबरना चाहिये। और जो छात्र इस कुप्रबंधन का शिकार होकर किसी कारणवश पुनः परीक्षा में बैठने योग्य न रह सके और इसी कारण उसका जीवन व भविष्य चौपट हो जाये उस छात्र को उसके अभिभावकों को या फिर सरकार अथवा इस दुर्व्यवस्था के ज़िम्मेदारों को क्या करना चाहिये ? हालाँकि प्रधानमंत्री मोदी पेपर लीक के मुद्दे पर जुलाई 2024 में संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपना आधिकारिक बयान दे चुके है। उन्होंने संसद में देश के हर छात्र और नौजवान को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि सरकार परीक्षाओं में होने वाली ऐसी गड़बड़ियों और पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी आरोपी या माफ़िया को क़तई बख़्शा नहीं जाएगा और उन्हें सख़्त से सख़्त सज़ा दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रणाली और पूरे सिस्टम को पुख़्ता व पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा युद्ध स्तर क़दम उठाने की बात कही थी। परन्तु आश्चर्य की बात तो यह है कि प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद भी पेपर लीक की घटना समाप्त नहीं हुई है। अभी इसी मई 2026 में आयोजित हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक विवादों और धांधली की शिकायतों के बाद सरकार द्वारा रद्द कर दिया गया है और अब इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। इस परीक्षा में 22,05,035 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे। आज इन 22 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। पेपर लीक और उसे रद्द किए जाने से उपजे मानसिक तनाव के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों से कम से कम 4 छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की दुखद ख़बरें सामने आई हैं। इनमें एक छात्र प्रदीप मेघवाल (उम्र 22 वर्ष) राजस्थान के झुंझुनूं ज़िले का था जबकि ऋतिक मिश्रा (उम्र 21 वर्ष) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी का निवासी था। यह ऋतिक का नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास था और वे इस बार चयन को लेकर बेहद आश्वस्त था। परीक्षा रद्द होने की ख़बर से वह मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गया था। इसी तरह 20 वर्षीया अंशिका दिल्ली के आज़ादपुर (आदर्श नगर) इलाक़े की रहने वाली थी। जबकि 17 वर्षीय सिद्धांत हेगड़े दक्षिण गोवा के कर्टोरिम का रहने वाला था। हेगड़े पेपर लीक की घटना से इतना आहत था कि उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अब और प्रतियोगी परीक्षाएं नहीं देना चाहता।

एक तरफ़ तो नीट पेपर लीक के चलते 22 लाख से अधिक मेधावी छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है साथ ही देश में गत 10 वर्षों के दौरान भारत में लगभग एक लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। तो दूसरी तरफ़ लाखों रूपये ख़र्च कर अयोग्य व निठल्ले लोग डॉक्टर्स की फ़र्ज़ी डिग्री लेकर मरीज़ों की जान से खिलवाड़ करते फिर रहे हैं। पिछले दिनों भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के दमोह ज़िले से पुलिस ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे सरकारी संजीवनी क्लीनिकों में MBBS की फ़र्ज़ी डिग्री के आधार पर नौकरी कर रहे 3 नक़ली डॉक्टरों को गिरफ़्तार किया। ग्वालियर निवासी कुमार सानू शाक्य, देवेंद्र चौधरी और जबलपुर के पल्लव जैन ने गिरफ़्तारी के बाद पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी MBBS की डिग्रियां और मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रेशन सर्टिफ़िकेट 8,00,000 से 10,00,000 तक में ख़रीदे थे। दमोह के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जब दस्तावेज़ों का वेरिफ़िकेशन कराया गया, तो डिग्री और रजिस्ट्रेशन नंबर पूरी तरह फ़र्ज़ी पाए गए।

सवाल यह है कि जब नीट जैसी अति महत्वपूर्ण परीक्षा के इतिहास में अब तक 5 बार बड़े स्तर पर पेपर लीक और धांधली के गंभीर मामले सामने आ चुके हों जिनकी आधिकारिक जांच या अदालती कार्यवाही भी हुई हो। इसके अतिरिक्त पिछले कुछ वर्षों में देश के अलग-अलग राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हों जिससे करोड़ों मेघावी छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है उधर 8 -10 लाख रुपये में डॉक्टरी की डिग्री हासिल की जा रही हो ऐसे में भारत में विद्या व विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में आसानी से सोचा जा सकता है।

रक्तरंजित राहों पर शांति का संकल्प

सुनील कुमार महला

किसी कवि ने क्या खूब लिखा है- आतंकवाद से धरा दूषित है, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरों के अब महायुद्ध हो जाने दो। भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए वास्तव में आतंकवाद आज पूरी मानवता के लिए एक नासूर बन चुका है।सच तो यह है कि यह ऐसा दंश है, जिसमें केवल जहर ही जहर भरा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता और असमानता जैसी समस्याएँ अपनी जगह हैं, किंतु आतंकवाद इन सबमें सबसे अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह सीधे मानव सभ्यता, शांति और राष्ट्रीय एकता पर हमला करता है। आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इसका समूल नाश आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। पाठक जानते होंगे कि प्रतिवर्ष 21 मई को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (एंटी टेररिज्म डे) मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के रूप में उनकी स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरुमबुदुर में एक आत्मघाती आतंकी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी। वास्तव में,इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और उग्रवाद से दूर रखना तथा समाज में शांति, एकता और सद्भाव का संदेश देना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस लोगों को आतंकवाद और हिंसा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का दिन है।दरअसल, इस दिवस का उद्देश्य केवल आतंकवाद का विरोध करना भर नहीं है, बल्कि समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। यह दिन युवाओं को आतंकवाद और कट्टरता के खतरों से अवगत कराता है तथा हिंसा के स्थान पर संवाद, लोकतांत्रिक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही आतंकवाद से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और नागरिकों में आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता अर्थात जीरो टॉलरेंस की भावना विकसित करने का संदेश भी देता है।इस दिन देशभर के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा आतंकवाद विरोधी शपथ ली जाती है। इस प्रतिज्ञा में बिना किसी धर्म या संप्रदाय का नाम लिए मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने का संकल्प लिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों और संस्थानों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में शहीद हुए जवानों और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। राजीव गांधी की हत्या भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित आतंकी घटनाओं में से एक थी। यह हमला श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम यानी एलटीटीई द्वारा किया गया था। एक महिला आत्मघाती हमलावर 'थानु' (धनु) ने फूलों का हार पहनाने के बहाने विस्फोट कर दिया, जिसमें राजीव गांधी की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भारत की आंतरिक सुरक्षा और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए। विशेष सुरक्षा समूह यानी विशेष सुरक्षा समूह(एसपीजी) के नियमों को अत्यंत सख्त बनाया गया तथा पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों को भी सुरक्षा दायरे में लाया गया। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि एलटीटीई यानी कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम श्रीलंका का एक अलगाववादी गुरिल्ला संगठन था, जिसने श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी भागों में तमिलों के लिए एक स्वतंत्र राष्ट्र तमिल ईलम की मांग को लेकर लगभग तीन दशकों तक सशस्त्र संघर्ष किया। इसकी स्थापना वर्ष 1976 में वेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा की गई थी। प्रभाकरन अंत तक इस संगठन का सर्वोच्च और तानाशाही कमांडर बना रहा। एलटीटीई का आत्मघाती दस्ता ब्लैक टाइगर्स कहलाता था, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक और अनुशासित आत्मघाती दस्तों में गिना जाता था।दरअसल, श्रीलंका (तत्कालीन सीलोन) को वर्ष 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद वहाँ बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच जातीय तनाव बढ़ने लगा। तमिलों का आरोप था कि सरकारी नौकरियों, शिक्षा और नागरिकता के मामलों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसी असंतोष ने धीरे-धीरे उग्रवाद का रूप ले लिया और एलटीटीई जैसे संगठन का जन्म हुआ। शुरुआत में श्रीलंका में तमिलों पर हो रहे अत्याचारों के कारण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में, एलटीटीई के प्रति सहानुभूति थी। वर्ष 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के तहत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारतीय शांति सेना श्रीलंका भेजी, लेकिन एलटीटीई ने हथियार डालने से इनकार कर दिया और भारतीय सेना से ही संघर्ष शुरू कर दिया। इसके बाद संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए। अंततः 21 मई 1991 को एलटीटीई ने आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी, जिसके बाद भारत सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एलटीटीई को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया और उसकी फंडिंग कमजोर पड़ती गई। अंततः वर्ष 2006 से 2009 तक चले चौथे ईलम युद्ध में श्रीलंकाई सेना ने एलटीटीई को पूरी तरह पराजित कर दिया तथा 18 मई 2009 को प्रभाकरन की मृत्यु के साथ ही संगठन का अंत हो गया। वास्तव में, अपने राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद कहलाता है। आतंकवाद की सबसे ख़तरनाक बात यह है कि अंततः यह उन लोगों को भी नष्ट कर देता है जो इसका समर्थन या अभ्यास करते हैं। आतंकवाद राष्ट्रीय सद्भाव, शांति और सामाजिक एकता को गहरी क्षति पहुँचाता है। सच तो यह है कि आतंकवाद का कोई धर्म, राष्ट्रीयता या मानवीय उद्देश्य नहीं होता। यह मानवता के विरुद्ध हिंसा और अमानवीयता की पराकाष्ठा है।महात्मा गांधी ने कहा था-मैं मरने के लिए तैयार हूँ, पर ऐसी कोई वजह नहीं है जिसके लिए मैं मारने को तैयार हूँ। गांधीजी ने सदैव अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कभी भी हिंसा और आतंकवाद को उचित नहीं माना। वास्तव में आतंकवाद स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार हरिओम पंवार की पंक्तियाँ भी इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक प्रतीत होती हैं-बंदूकों की गोली का उत्तर सद्भाव नहीं होता।हत्यारों के लिए अहिंसा का प्रस्ताव नहीं होता। कोई विषधर कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है, और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है। आज आतंकवाद केवल भारत की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की गंभीर समस्या बन चुका है। विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में आतंकवाद तेजी से फैल रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेषकर यूनाइटेड नेशंस में बार-बार यह चिंता व्यक्त की है, कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने यह भी कहा है कि जिन देशों में आतंकवाद से निपटने की क्षमता का अभाव है, उनकी सहायता की जानी चाहिए। भारत सदैव पंचशील, शांति, संयम और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों में विश्वास करता आया है तथा धर्म, जाति, संस्कृति और आस्था से परे हर प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता रहा है। हाल फिलहाल,यहाँ यह उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि वर्ष 2026 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रहार नामक भारत की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति जारी की गई है।

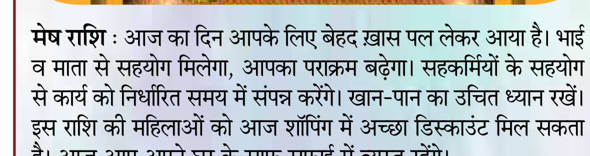

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद ख़ास पल लेकर आया है। भाई व माता से सहयोग मिलेगा, आपका पराक्रम बढ़ेगा। सहकर्मियों के सहयोग से कार्य को निर्धारित समय में संपन्न करेंगे। खान-पान का उचित ध्यान रखें। इस राशि की महिलाओं को आज शॉपिंग में अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है। आज आप अपने घर के साफ सफाई में व्यस्त रहेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई अथवा नवीनीकरण के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप अपनी कार्यक्षमता को दूसरों के आगे साबित कर पाने में सफल होंगे। पिता व गुरुजनों से सम्मान प्राप्त होगा। व्यापारिक वर्ग की निराशा आशा में परिवर्तित होगी, नये-नये प्रोजेक्ट मिलेंगे। आज विदेश में रह रहे आपके दोस्त आपको वहां आने का निमंत्रण दे सकते हैं या फिर काम के सिलसिले में भी आपको वहां बुलाया जा सकता है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आएगा। आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं। आपके घर में सुख शांति का माहौल बनेगा। आपकी आध्यात्मिक और धार्मिक मामलों में रुचि बढ़ेगी। किसी मित्र की सहायता से आपके बिगड़े हुए कार्य बनेंगे और पिछले किये गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। ज़मीन संबंधी कार्य में पैसा लगाने से फ़ायदा मिल सकता है।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक एवं प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूल संयोग बनेगे। किसी समस्या को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर विचार विमर्श करेंगे। हर काम समय पर पूर्ण होने से आनंद का अनुभव होगा। धन की कमी दूर होने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। जो मल्टीनेशनल कंपनी में जुड़े हैं ऐसे जातकों के लिए आज का दिन प्रगतिकारक दिखाई दे रहा है आप किसी नए कार्य की योजना बनायेंगे ।

सिंह राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा।आज आपका मन कुछ उलझन में रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ बातों को शेयर करने से सब ठीक हो जायेगा। आज जल्दबाजी में महत्वपूर्ण निर्णय ना लें, इसके बारे में अच्छी तरह से सोच लें। दोस्ती के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आएगी। आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे, जिससे रुके हुये कार्यों को पूरा करने में भी सफल होंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। सकारात्मक सोच व संतुलित दृष्टिकोण से आप असंभव कार्यों को भी संभव कर पाएंगे। विद्यार्थियों को मनचाही सफलता पाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है,सफलता के योग भी बने हुये है। कारोबार और करियर संबंधी समस्याओं का निवारण हो जायेगा, कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके परवारिक रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में कुछ कार्यों की जिम्मेदारी आपको दी जायेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। खान-पान की तरफ भी आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आप जितना ही मेहनत करेंगे, आपको उतना ही लाभ मिलेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से मन को संतोष मिलेगा। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या नौकरी में नए अवसर खोज रहे हैं उनके लिए अनुकूल समय है। आज किसी काम को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ऑफिस में आपके पर्सनालिटी की तारीफ होगी।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, आने वाले दिनों में आपको उतना ही फायदा होगा। आपका पूरा ध्यान अपने महत्वपूर्ण कामों पर रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारी वाले काम आपके सामने रहेंगे। आज अचानक द्धद्ध कुछ खास काम करने की योजनाएं आपके दिमाग में आ सकती है।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतरीन है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी रुके हुये काम को पूरा करने में किस्मत का साथ मिलेगा। आज आपको अपने गुणऔर काम के वजह से सम्मानित किया जायेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता दूसरो को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा। नतीजों की चिंता किए बिना मेहनत करेंगे तो कामयाबी अवश्य मिलेगी। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल और केवल अपने काम के प्रति रहेगा, इसके लिए आप कठोर परिश्रम भी करने के लिए तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे, लोग भी आपकी सहायता करने के लिये तत्पर रहेंगे। सरकार अथवा उच्च अधिकारियों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट विश्व के शीर्ष 10 प्रभावशाली एथलीटों में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय बने

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को विश्व के शीर्ष 10 प्रभावशाली एथलीटों की सूची में जगह मिली है। विराट को इसमें पांचवें नंबर पर रखा गया है। इस प्रकार विराट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गयी है। इस प्रभावशली में विराट को शामिल किये जाने से भारत का गौरव भी बढ़ा है। इस सूची में पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अर्जेंटीना के लियोनन मैसी के अलावा बास्केटबॉल सहित कई खेलों के स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस सूची मे जगह हासिल कर विराट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उनका प्रभाव सिर्फ क्रिकेट मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वैश्विक खेल जगत के सबसे बड़े चेहरों में शामिल हो चुके हैं। वह दुनिया के शीर्ष 10 एथलीटों की प्रतिष्ठित सूची में

शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। विराट की ये उपलब्धि उनके साथ ही पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

इसका करण ये है कि फुटबॉल और बास्केटबॉल जैसे खेलों की वैश्विक लोकप्रियता क्रिकेट की तुलना में कहीं अधिक है। इसके बाद भी विराट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी, अद्वितीय फिटनेस, आक्रामक खेल शैली और बेजोड़ सोशल मीडिया लोकप्रियता के बलपर इस विशिष्ट सूची में अपना स्थान बनाया है। उनका सूची में पांचवें स्थान पर होना इस बात का प्रमाण है कि उनका वैश्विक प्रभाव किसी भी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल या बास्केटबॉल स्टार से कम नहीं है।

विराट की इस सफलता के पीछे उनकी मजबूत ब्रांड वैल्यू और विशाल सोशल मीडिया पहुंच की भी अहम भूमिका है। इंस्टाग्राम पर 27 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स के साथ, वह दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले क्रिकेटरों में से एक हैं, उनसे आगे केवल फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मैसी जैसे खिलाड़ी ही हैं। दुनिया की कई बड़ी कंपनियां उन्हें अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती हैं, जो उनकी व्यापक लोकप्रियता का सीधा संकेत है। उनकी फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता, खेल के प्रति समर्पण और अनुशासित जीवनशैली ने भारतीय युवाओं में एक नई ऊर्जा भरी है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि विराट कोहली की यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत चमक नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति की बढ़ती वैश्विक पहचान का प्रतीक है।

अगरकर बोले, शमी के नाम पर बात तक नहीं हुई

एजेंसी, मुम्बई

पिछले काफी समय से भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर झटका लगा है। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। इससे साफ है कि अब उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है। इसका अंदाज चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर के बयान से होता है। अगरकर का कहना है कि चयनसमिति की बैठक में शमी के नाम पर बात तक नहीं हुई थी। अगरकर ने कहा, हां, वह लगातार घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं पर हमें बताया गया है कि इस समय वह टी-20 क्रिकेट के लिए तैयार हैं, इसलिए शमी को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। अगरकर की इस

टिप्पणी से प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों ने हैरानी जताय है। उनका मानना है कि एक अनुभवी गेंदबाज जो विभिन्न प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित कर चुका है, उसे अचानक केवल एक प्रारूप तक के लिए सीमित किसी प्रकार से किया जा सकता है।

यह बात इसलिए भी तर्कसंगत नहीं लगती है क्योंकि शमी ने हाल में घरेलू रणजी सत्र में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी उनकी उपेक्षा समझ से परे है। उन्होंने बंगाल के लिए महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इससे पहले भी उन्हें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के साथ-साथ हाल ही में टी-20 विश्व कप स्क्वॉड में भी जगह नहीं मिली थी, जिसने उनके भविष्य पर पहले ही सवाल खड़े कर दिए थे। अब ऐसा लगता है कि चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं और उनका लक्ष्य अब युवाओं को ही अवसर देना है।

शमी जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का इस तरह से हाशिये पर चले जाना भारतीय क्रिकेट के लिए एक चिंता का विषय है। एक खिलाड़ी जिसने देश के लिए इतने बड़े मंच पर असाधारण प्रदर्शन किया हो, उसे बिना किसी स्पष्ट कारण के नजरअंदाज करना, खासकर अगरकर के कार्यकाल में, कई सवालों को जन्म देता है। ऐसा लगता है कि शमी का अंतरराष्ट्रीय करियर अब एक ऐसे चौराहे पर आ खड़ा हुआ है, जहां से उनकी टीम में वापसी असंभव दिख रही है।

आरसीबी के निदेशक ने बताया टीम की सफलता का राज

एजेंसी, बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का प्रदर्शन आईपीएल के इस 19 वें सत्र में भी शानदार रहा है और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची है। आरसीबी ने पिछले साल भी खिताब जीता था जिसे बरकरार रखना इस बार भी उसका लक्ष्य है और टीम उसी दिशा में आगे बढ़ रही है। टीम के इस सत्र में असाधारण प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उसके क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने कहा है कि इस शानदार फॉर्म का कारण एक अनूठी सोच है, जिसने पिछली बार खिताब जीतने के बावजूद

खिलाड़ियों को आत्मसंतुष्टि से दूर रखा। बोबाट ने कहा, मैं यह महसूस नहीं करना चाहता जैसे हमने माउंट एवरेस्ट फतेह कर लिया हो। हम हमेशा आग बढ़त रहना चाहते हैं। हमारी सोच हमेशा आक्रामक होनी चाहिये। यह विचार टीम के भीतर लगातार गूंजता रहता है, जिसका लक्ष्य यह पक्का करना है कि खिलाड़ी कभी भी अपनी पिछली उपलब्धियों पर स्थिर न हों, बल्कि हमेशा अगले लक्ष्य की तलाश में रहें।

इस दौरान एक महत्वपूर्ण पहलू तेजी से अपने को हालातों के अनुकूल ढालना और अपनी रणनीति को लगातार नया रूप देना है।

नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर गांगुली ने सवाल उठाये

एजेंसी, मुम्बई

पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी जम्मू-कश्मीर के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट ओर एकदिवसीय के लिए मंगलवार को भारतीय टीम घोषित की गयी थी पर उसमें भी नबी को जगह नहीं मिली। नबी ने रणजी ट्रॉफी के लगातार दो सत्र में कुल 104 विकेट लिए हैं। इसे बाद भी उनके नाम पर विचार न होना हैरानी की बता है। इसके लेकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों ने सवाल उठाये हैं। आकिब ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में 44 विकेट लिए जबकि 2025-26 में उन्होंने 60 विकेट लेकर घरेलू सर्किट में अपने को साबित किया। रणजी के फाइनल मुकाबले में उन्होंने केएल राहुल और करुण नायर जैसे बल्लेबाजों को आउट कर सभी का ध्यान खींचा। उनकी सटीक लाइन-लेंथ और गेंद को दोनों तरफ घुमाने की स्वाभाविक क्षमता को घरेलू क्रिकेट में काफी महत्व दिया जाता है। इसके बाद भी उन्हें जगह नहीं मिलने को लेकर जो तर्क दिया गया है वह ये है कि उनकी गेंदबाजी की गति कम है।

डब्ल्यूडब्लयई रेसलर भी बना जसप्रीत बुमराह का प्रशंसक

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के प्रशंसक केवल भारत में नहीं अन्य देशों में भी हैं। बुमराह के प्रशंसकों में स्कॉटलैंड के डब्ल्यूडब्लयई रेसलर ड्रू मैकइंटायर भी शामिल हैं। मैकइंटायर ने सोशल मीडिया पर बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया है। इस दिग्गज रेसलर ने अपने सोशल मीडिया पर पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह जिम में अपने बाइसेप्स की एक्सरसाइज करते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो में सबसे खास बात ये रही कि

इसमें मैकइंटायर ने भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पहनी हुई थी। वीडियो के अंत में, जब वह पीछे मुड़ते हैं, तो उनकी जर्सी पर जसप्रीत बुमराह का नाम और उनका प्रतिष्ठित 93 नंबर स्पष्ट रूप से नजर आता है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, बाइसेप्स बना रहा हूं, गो बूम, जो उनके बुमराह के प्रति प्रेम और उनकी शैली को दर्शाता है। यह एक अनोखा फैन मोमेंट था जिसने क्रिकेट और रेसलिंग दोनों के प्रशंसकों का ध्यान खींचा।

बिजनेस

यूएन ने 2026 के लिए भारत का जीडीपी वृद्धि दर अनुमान घटाकर 6.4 फीसदी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट और के बीच संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.6 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2027 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 फीसदी हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (यूएन डीईएसए) की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत अब भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और जीडीपी के 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक और झटका दिया है, जिससे वृद्धि धीमी हुई है। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है और अनिश्चितता उत्पन्न हुई है। यूएन डीईएसए के आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग

के वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं प्रभारी अधिकारी इंगो पिटरले ने कहा कि भारत वर्तमान वैश्विक चुनौतियों से अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा का बड़ा आयातक है और अन्य माध्यमों जैसे धन प्रेषण (रेमिटेंस) के प्रति भी संवेदनशील है, जिससे कुछ परेशानियां बढ़ती हैं। साथ ही, वैश्विक वित्तीय सख्ती मौद्रिक नीति को और जटिल बना देगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। यह दर पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की 7.6 फीसदी की अनुमानित विकास दर से कम है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के चलते आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान है।

'विकसित भारत' की यात्रा तेज करने के लिए उद्योग और सरकार के बीच सहयोग का आह्वान

एजेंसी, नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को 'विकसित भारत' की यात्रा को गति देने के लिए उद्योग और सरकार के बीच सहयोग का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं को सुधार और सुदृढ़ विकास के अवसरों में बदलने का आग्रह किया। नई दिल्ली में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के 'इंडिया बिजनेस रिफॉर्म समिट' को संबोधित करते हुए गोयल ने 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने में आसानी) को बढ़ावा देने, भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और 'विकसित भारत' की ओर देश की यात्रा को तेज करने के लिए उद्योग और सरकार के बीच और अधिक गहरे सहयोग का आह्वान किया। गोयल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को भारत के लिए एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, ताकि वह अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को मज़बूत कर सके, तेजी से सुधार कर सके, अधिक लचीलापन ला सके और अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बना सके।

एशियाई उत्पादकता संगठन के शासी निकाय के 68वें सत्र की मेजबानी करेगा भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) के शासी निकाय के 68वें सत्र की बैठक इस हफ्ते भारत मंडपम में 20 से 22 मई तक होने वाली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21 मई को इस बैठक के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम की मेजबानी भारत करेगा। इस सत्र में 20 एपीओ सदस्य देशों के 60 से अधिक वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में एपीओ विजन 2030 फ्रेमवर्क, 2027-28 की द्विवर्षीय अवधि के लिए एपीओ के प्रारंभिक बजट और एपीओ महासचिव चुनाव प्रक्रियाओं की समीक्षा पर उच्च स्तरीय चर्चाएं होंगी। एपीओ की 68वीं शासी निकाय की बैठक के दौरान उत्पादकता के पैरोकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को एपीओ राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। एपीओ के निदेशक, सलाहकार, एपीओ सदस्य देशों के राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि

और आमंत्रित अतिथियों के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भूटान की सरकारों के पर्यवेक्षकों के साथ-साथ ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि 1961 में स्थापित एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 21 सदस्य देशों से मिलकर बना एक अंतर-सरकारी संगठन है। एपीओ शासी निकाय के 68वें सत्र की मेजबानी करना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक आर्थिक रुझानों के अनुरूप क्षेत्र में उत्पादकता-आधारित विकास, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लाल निशन पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 464 अंक लुढ़का

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स 464 अंक और निफ्टी 88 अंक तक लुढ़क गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 464.17 अंक यानी 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ 74,736.68 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 87.60 अंक यानी

0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 23,530.40 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, इटर्नल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान में रहे। वहीं, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयर में तेजी दर्ज की गई है। इसके अलावा एशियाई शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 110.8 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है, जबकि रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 96.90 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि सेंसेक्स मंगलवार को 114.19 अंक और निफ्टी 31.95 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी के '7 संकल्प' देश के भविष्य को सुरक्षित रखने की ओर सार्थक कदम

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय व्यापारी नेता सम्मेलन 2026 के दूसरे दिन देशभर से आए व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिए गए "7 रणनीतिक कदमों" को भारत की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की दिशा में दूरदर्शी एवं भविष्य उन्मुख पहल बताया। भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की नेता स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 7 कदम केवल राष्ट्रीय सुरक्षा का रोडमैप नहीं, बल्कि भारत को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने का व्यापक दृष्टिकोण हैं। विकसित भारत के निर्माण में महिला सशक्तिकरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईरानी ने कहा कि व्यापार जगत को महिलाओं के नेतृत्व, उद्यमिता एवं आर्थिक गीदारी को और अधिक बढ़ावा देना चाहिए। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि आज का व्यापारी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सातों संकल्प व्यापार जगत को आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हितों के प्रति अधिक जागरूक एवं प्रतिबद्ध बनाएंगे।

रिजर्व बैंक ने महाराष्ट्र के 'द यशवंत सहकारी बैंक' का लाइसेंस किया रद्द

एजेंसी, मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के फलटन स्थित 'द यशवंत सहकारी बैंक' का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं होने के कारण यह कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ये निर्णय आज से ही कारोबार बंद होने के बाद से प्रभावी हो गया है। आरबीआई के मुताबिक यह सहकारी बैंक, बैंकिंग विनियमन अधिनियम के कुछ प्रावधानों का पालन करने में विफल रहा है और मौजूदा वित्तीय स्थिति में वह अपने जमाकर्ताओं को पूरी राशि लौटाने में सक्षम नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय

बैंक ने महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त एवं पंजीयक से इस बैंक को बंद करने और परिसमापक नियुक्त करने का अनुरोध किया है। आरबीआई ने कहा कि परिसमापन पर बैंक के जमाकर्ताओं को जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) के तहत अधिकतम 5 लाख रुपये तक की बीमा राशि मिलेगी। रिजर्व बैंक के मुताबिक इस बैंक के 99.02 फीसदी जमाकर्ताओं को उनकी पूरी जमा राशि मिलने की पात्रता है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक डीआईसीजीसी 20 अप्रैल तक 106.96 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। आरबीआई ने कहा कि यह सहकारी बैंक 19 मई को कारोबार बंद होने के साथ ही बैंकिंग गतिविधियां संचालित करना बंद कर देगा।

कान्स में दिशा का दिखा जलवा

भारतीय जड़ों और क्षेत्रीय कला को किया पेश

फ्रांस के मशहूर कान्स फिल्म फेस्टिवल में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा मदान ने दूसरे साल शिरकत की। ब्रूट एक्स नेस्प्रेस्सो रेड कार्पेट पर कदम रखते ही उन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस बार उनका लुक पूरी तरह से भारतीय जड़ों और हमारी क्षेत्रीय कला को विश्व स्तर पर एक नए और आधुनिक अंदाज में पेश करने वाला था, जिसने हर किसी का मन मोह लिया। दिशा की इस खूबसूरत ड्रेस को बेंगलुरु के फैशन लेबल निहारिका विवेक ने डिजाइन किया था।

इस आउटफिट की सबसे बड़ी खासियत इसका टिकाऊपन और विरासत को सहेजने का तरीका है। इसे दो पुरानी, हाथ से बुनी गई विंटेज सिल्क साड़ियों को नया रूप देकर तैयार किया गया। सुनहरे जरी के बॉर्डर और कई रंगों की बुनाई वाली इन साड़ियों को एक स्टाइलिश मरमेड-कट ड्रेस में बदल दिया। इस ड्रेस में हॉल्टर-नेकलाइन, कमर पर एक अट्रैक्टिव कॉर्सेट और नीचे एक लंबी स्कर्ट थी, जो इसे एक बेहद मॉर्डन लुक दे रही थी। यह परिधान केवल एक ड्रेस नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय संस्कृति का एक जीवंत उदाहरण है। इसका डिजाइन मुख्य रूप से साउथ इंडियन मंदिरों की नक्काशी और नारी शक्ति की झलक पेश करता है। इसे तैयार करने में महिला कारीगरों ने 2,500 घंटों से ज्यादा समय तक कड़ी मेहनत की है। इस ड्रेस पर बंजारा कसूती की बेहद बारीक और खूबसूरत कढ़ाई की गई है। डिजाइनरों ने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि पुरानी साड़ियों की असली पहचान भी बरकरार रहे और ड्रेस में एक नयापन भी दिखे। अपने इस खास पहनावे को दिशा ने शाही अंदाज में कैरी किया। उन्होंने एक लंबी गूंथी हुई चोटी बनाई थी, जिसे दक्षिण भारतीय पारंपरिक आभूषणों से सजाया गया था। इन सोने जैसे दिखने वाले विंटेज गहनों में लाल और हरे रंग के पत्थर जड़े थे, जो उनके बालों में बेहद खूबसूरत लग रहे थे। उन्होंने गले में एक भारी सोने का स्टेटमेंट हार, बड़े झूमर जैसे इयररिंग्स, इयर कफ्स, हाथों में कई अंगूठियां और एक प्यारी-सी नथनी पहनी थी।

अपने इस लुक को लेकर दिशा ने एक बहुत ही प्रेरणादायक बात रखी। उन्होंने कहा कि कान्स उनके लिए कभी भी केवल फैशन का दिखावा नहीं रहा है, बल्कि यह अपनी जड़ों को दुनिया के सामने रखने का एक मौका है। उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह दक्षिण भारतीय कला और विरासत को इस ग्लोबल मंच पर ला सकीं। दिशा का मानना है कि ऐतिहासिक साड़ियों को इस तरह से एक आधुनिक, वैश्विक और शक्तिशाली अंदाज में पेश करना उनके लिए एक बहुत ही खास अनुभव रहा।

अगर पेड़ वाईफ़ाई देते ना

तो इंसान उन्हें रिचार्ज प्लान समझकर बचा के रखतेः शहनाज़ गिल

एक्ट्रेस शहनाज़ गिल ने हाल ही में ट्री प्लांटेशन ड्राइव को सिर्फ इवेंट नहीं, इमोशन बना दिया। उन्होंने अपने दादा प्यारा सिंह की याद में एक पौधा लगाया — और इस छोटे से कदम में ढेर सारी मोहब्बत छुपी थी। दिल से बात करते हुए शहनाज़ ने ऐसा डायलॉग मारा जो सीधा दिल और दिमाग दोनों में सेव हो गयाः अगर पेड़ वाईफ़ाई दे रहा होता ना, तो कोई उसे काटता ही नहीं! लेकिन पेड़ ऑक्सीजन दे रहा है, इसलिए सबको प्रॉब्लम है। फल खाओ, मजे से खाओज् पर जड़ मत काटो। सुनो जी, ध्यान रखो - पेड़ लगाओ, बहुत जरूरी है! और घरवालों को भी बोलोज् जो दिनभर पड़ोसियों के साथ गॉसिप सम्मेलन करते हैं, वो मिलकर पेड़ लगाएं। अपना आस-पास ठीक करो, एनवायरनमेंट खुद ही सेट हो जाएगा! अपनी सिग्नेचर देसी सच्चाई और फुल-ऑन रियल वाइब के साथ, शहनाज़ ने वो सच्चाई बोल दी जो हम सब जानते हैंज् पर इग्नोर करते हैं। ऑक्सीजन फ्री है, इसलिए उसकी वैल्यू नहीं समझते — ये सीधा ताना भी था और मीठा रिमाइंडर भी। उनकी बातों और इस प्यारे ट्रिब्यूट ने इस ड्राइव को सिर्फ पेड़ लगाने का प्रोग्राम नहीं रहने दिया, बल्कि एक ऐसा मैसेज बना दिया जो घर-घर तक पहुंचना चाहिए — बदलाव बड़ी स्पीच से नहीं, छोटे-छोटे कामों से शुरू होता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज़ गिल जल्द ही इश्कनामा में नजर आने वाली हैं — और फैंस का एक्साइटमेंट तो पहले से ही फुल चार्ज है!

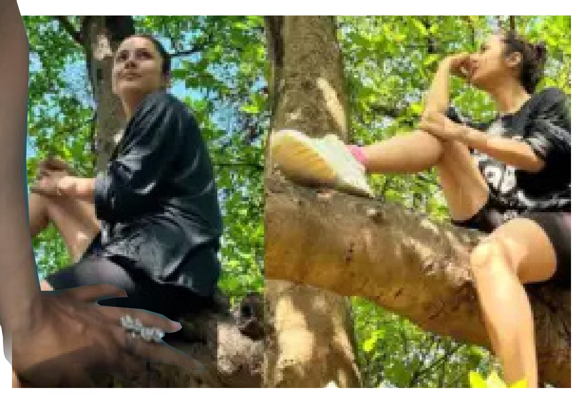

वेलकम टू द जंगल का टाइटल ट्रैक जारी

धमाचौकड़ी मचाने आई अक्षय और उनकी टोली

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन, रवीना टंडन सहित कई चर्चित सितारों से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल है। इतने सारे सितारे जहां होंगे, वहां एंटरटेनमेंट का तगड़ा डोज मिलना पक्का है। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो चुका है और काफी धमाकेदार है। फिल्म वेलकम टू द जंगल का गाना आया है। इसमें एक्शन भी है, इमोशन भी हैं और भरपूर कॉमेडी का डोज है। जंगल का इलाका है और अक्षय कुमार अपनी टोली के साथ वहां मौजूद हैं। जंगल में एक से बढ़कर एक चैलेंज सामने आते हैं। पूरी टोली सर्वाइव करती है। साथ में मस्ती भी भरपूर होती है। इस टाइटल ट्रैक के जरिए यह बात कंफर्म हो चुकी है कि अक्षय कुमार का फिल्म में डबल रोल है। अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह गाना साझा किया है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन लिखा है, इस जंगल में अब दहाड़ भी होगी और शोर भी होगा। फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म बॉलीवुड की पॉपुलर वेलकम फ्रेंचाईजी की तीसरी किस्त है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, जैकी श्रॉफ, पेरश रावल, राजपाल यादव, रवीना टंडन और कीकू शारदा सहित कई चर्चित सितारे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म के गाने की बात करें तो गाने की तो इसे संगीतकार जोड़ी साजिद-वाजिद ने कंपोज किया है। इस गाने को रीक्रिएट संस्करण के साथ जारी किया गया है। पहले की तरह इस बार भी आवाज शान ने दी है।

महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात जरूरीः सबा आजाद

जल्द ही अभिनेत्री सबा आजाद कॉमेडी-ड्रामा सीरीज हूज योर गायनिक सीजन 2 में नजर आएगी। अपकमिंग सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि शो का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर खुलकर चर्चा करना है, जिन्हें समाज में अक्सर बंद कमरों तक सीमित कर दिया जाता है। इस सीरीज में वह 'डॉ. विदुषी कोठारी' का किरदार निभा रही हैं। चर्चा के दौरान सबा आजाद ने कहा कि पहले सीजन में सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया गया था। उनके मुताबिक दूसरा सीजन भी उसी सोच और उद्देश्य को आगे बढ़ाएगा। अभिनेत्री का मानना है कि समाज में इन विषयों पर खुली चर्चा होना बेहद जरूरी है, ताकि लोगों के बीच जागरूकता बढ़ सके और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामान्य नजरिए से देखा जा सके। जब सबा से पूछा गया कि क्या आज भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वाकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है, तो उन्होंने साफ कहा कि बड़े शहरों में रहने के बावजूद जमीनी स्तर पर समाज अब भी काफी हद तक पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी अधिक मेहनत करनी पड़ती है और उनके फैसलों को लेकर समाज बहुत जल्दी राय बना लेता है।

सबा आजाद के अनुसार सामाजिक व्यवस्था लंबे समय से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाई गई है। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में आज भी महिलाओं को अपनी पसंद से काम करने या जीवन के फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता नहीं मिल पाती। अभिनेत्री का मानना है कि शहरों में रहने वाले लोगों को यह वास्तविकता हमेशा नजर नहीं आती, लेकिन यह सच्चाई आज भी मौजूद है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पेशेवर जीवन और निजी जिंदगी दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर कोई महिला काम करती है, तो उसके फैसलों पर सवाल उठाए जाते हैं और अगर वह काम नहीं करती, तब भी समाज उसे जज करने से पीछे नहीं हटता। सबा का कहना है कि यही दोहरा रवैया महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि कई लड़कों की परवरिश ऐसे माहौल में होती है, जहां उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना किसी आत्मनिर्भर और मजबूत सोच वाली महिला से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। सबा के मुताबिक कई पुरुष महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने के आदी नहीं होते, जिसकी वजह से रिश्तों में तनाव और असहजता पैदा होने लगती है।

राइस कुकर में सही तरीके से खाना पकाने के लिए अपनाएं ये 5 सरल सुझाव

राइस कुकर एक उपयोगी उपकरण है, जो चावल को सही तरीके से और जल्दी पकाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप सोचते हैं कि राइस कुकर केवल चावल पकाने के लिए होता है तो आपको बता दें कि आप इससे पुलाव, खिचड़ी, दलिया, दाल और यहां तक कि केक भी बना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप राइस कुकर में हर बार सही तरीके से खाना पका सकते हैं। राइस कुकर में खाना पकाने के लिए सही मात्रा में पानी का उपयोग करना बहुत जरूरी है। अगर आप चावल बना रहे हैं तो आमतौर पर एक कप चावल के लिए 2 कप पानी का उपयोग करना चाहिए। पुलाव या खिचड़ी के लिए भी इसी अनुपात का पालन करें। दाल और दलिया के लिए 1:3 का अनुपात सही रहता है। इससे आपका खाना न तो कच्चा रहेगा और न ही ज्यादा गीला होगा। राइस कुकर में खाना पकाने का समय भी बहुत अहम होता है। आमतौर पर चावल पकाने में 20-25 मिनट लगते हैं, जबकि पुलाव और खिचड़ी को पकाने में 30-40 मिनट का समय लगता है। दाल और दलिया को पकाने में भी लगभग इसी समय की जरूरत होती है। अगर आप केक बना रहे हैं तो इसे 50-60 मिनट तक पकाएं। सही समय पर खाना पकाने से आपका खाना न तो अधपका होगा और न ही ज्यादा पका हुआ। राइस कुकर के बर्तन को सही तरीके से भरना भी जरूरी है। इसे ज्यादा भरने से खाना उबलकर बाहर आ सकता है, इसलिए इसे आधा या 3/4 तक ही भरें। इससे खाना अच्छे से पकेगा और बाहर नहीं आएगा। इसके अलावा राइस कुकर के अंदर रखी प्लेट को हमेशा हल्का-सा घुमाकर रखें, ताकि भाप निकल सके और खाना अच्छे से पक सके। इससे आपका खाना हर बार सही तरीके से बनेगा। अगर आप पुलाव या खिचड़ी बना रहे हैं तो सब्जियों को पहले से काटकर तैयार कर लें। इससे खाना पकाने का समय कम होगा और आपका खाना लजीज बनेगा। सब्जियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर राइस कुकर में डालें और फिर ऊपर से चावल डालें। इसके बाद जरूरी मसाले और पानी मिलाएं। इससे आपका पुलाव और खिचड़ी एकसार बनेगा और स्वादिष्ट भी लगेगा। इस तरह आप अपने राइस कुकर का सही उपयोग कर सकते हैं। राइस कुकर की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है, ताकि इसमें कीटाणु न पनप सकें। इस्तेमाल करने के बाद इसे धोकर सुखाएं और समय-समय पर इसकी सफाई करें। इन सरल सुझावों की मदद से आप अपने राइस कुकर में हर बार बेहतरीन खाना बना सकते हैं। इनका पालन करके न केवल आपका खाना स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि आपका राइस कुकर लंबे समय तक सही तरीके से काम कर रहा है।

विक्की ने दमदार अभिनय और मेहनत के बल पर बनाया खास मुकाम

मुंबई के चेंबूर में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद अभिनय की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद कलाकारों में अपनी जगह बना ली। विक्की कौशल आज हिंदी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपने दमदार अभिनय और मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है। 'मसान', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक', 'सरदार उधम', 'सैम बहादुर' और 'छावा' जैसी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों को प्रभावित किया। विक्की कौशल का जन्म 16 मई 1988 को एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता शाम कौशल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के प्रसिद्ध एक्शन डायरेक्टर हैं।

हालांकि फिल्मी माहौल में बड़े होने के बावजूद विक्की की शुरुआती रुचि अभिनय में नहीं थी। उन्होंने मुंबई के रामनारायण रुइया कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में उनका झुकाव थिएटर की ओर बढ़ा और यहीं से अभिनय के प्रति उनका लगाव शुरू हुआ। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म मसान ने विक्की कौशल की जिंदगी बदल दी। फिल्म में 'दीपक' के किरदार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया। उनकी सादगी

और भावनात्मक अभिनय ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। इस फिल्म के बाद विक्की को बॉलीवुड में एक गंभीर और प्रतिभाशाली अभिनेता के रूप में पहचान मिलने लगी। इसके बाद साल 2019 में आई फिल्म उरीः द सर्जीकल स्ट्राइक ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। फिल्म में सेना अधिकारी के किरदार में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और विक्की को राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उनके संवाद और देशभक्ति से भरपूर अंदाज ने उन्हें युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया।

PM Modi, Meloni in Rome: Car ride, dinner and Colosseum visit ahead of talks

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi met his Italian counterpart Giorgia Meloni after arriving in Rome on Tuesday for the final leg of his five-nation tour, before the two leaders took a late-evening walk through the iconic Colosseum.

Sharing pictures from the evening on X, PM Modi wrote, "Upon landing in Rome, had the opportunity to meet Prime Minister Meloni over dinner followed by a visit to the iconic Colosseum." We exchanged perspectives on a wide range of subjects. Looking forward to our talks today, where we will continue the conversation on how to boost the India-Italy friendship," the PM added.

The two leaders were seen sharing a ride through the streets of Rome, offering a glimpse of informal "car diplomacy". Earlier, Meloni also hosted PM Modi for dinner during his visit to the Italian capital.

Italian Prime Minister Giorgia Meloni also warmly welcomed PM Modi on social media, sharing a photograph with him on X and writing, "Welcome to Rome, my friend!"

In one image shared by PM Modi, the two leaders stand side by side inside the Colosseum at night. Against the softly lit backdrop of the ancient Roman amphitheatre, the two leaders were seen engaged in an extended conversation while overlooking the historic monument.

The videos circulating online showed PM Modi dressed in a dark navy blue bandhgala suit paired with white churidar trousers and black shoes, while Meloni wears a light pink embroidered top with white trousers.

Another candid moment captures PM Modi and Meloni lean against a railing overlooking Rome's skyline during sunset, appearing deep in discussion.

Twisha Sharma 'dowry' death case: Family moves court to seek second post-mortem, alleges pre-death injuries

New Delhi, Agency: The family of Twisha Sharma, a 33-year-old woman from Noida who died under suspicious circumstances in Bhopal last week, has sought a fresh postmortem examination through a local court, according to their lawyer on Tuesday. "We have moved an application for a second postmortem of Twisha before the concerned magistrate in Bhopal," the family's lawyer Anurag Shrivastava said, as quoted by PTI. Her relatives have claimed that there were visible injury marks on her body and alleged that the wounds were caused before her death.

Meanwhile, her mother-in-law and retired judge Giribala Singh rejected allegations of dowry harassment and claiming the victim had been undergoing psychiatric treatment.

Speaking about the case, Singh said, "Our lawyer will explain everything. Where have charges been framed? The matter is still at the discharge stage. I think the police, under pressure from these people and because of all these WhatsApp messages and allegations, which have no real basis, acted in haste. Their allegations are completely baseless. Why would we demand a dowry of two lakh rupees when we ourselves gave them seven-and-a-half lakh rupees? It simply makes no sense."Demanded Fortuner Car, Rs 50 Lakh: Family Claims Noida Woman Was Thrown Off Terrace Over DowryShe further alleged that Twisha had changed after marriage and was not interested in the family's religious practices.

Twisha Sharma, a 33-year-old woman from Noida, was found dead on May 12 at her marital home in Bhopal's Katara Hills area, triggering allegations of dowry harassment and abetment by her husband's family.

Italy & India: A Strategic Partnership For The Indo-Mediterranean;

New Delhi, Agency: The relationship between India and Italy has now reached a decisive stage. In recent years, our ties have expanded with unprecedented momentum, evolving from a cordial friendship into a special strategic partnership grounded in the values of freedom and democracy, and a common vision for the future.

At a time when the international system is undergoing a profound change, the partnership between Italy and India is guided by regular exchanges at higher political and institutional levels, and is gaining a new and higher dimension that combines our economic dynamism, societal creativity, and millennia-old civilisational wisdom. Our cooperation mirrors our shared awareness that prosperity and security in the 21st century will be shaped by the ability of nations to innovate, manage energy transitions, and strengthen strategic sovereignty.

India rejects claims of human rights violations

New Delhi, Agency: Faced with questions from Norwegian media about human rights in India, govt strongly rejected allegations of violations, highlighting the country's constitutional values of justice, liberty and freedom of expression. This was the second time MEA rejected such allegations during PM Modi's ongoing Europe tour, responding earlier to queries in the Netherlands about Dutch PM Rob Jetten's remarks on press freedom and minority rights in India.

"India is a civilisational country which offered something unique to the world and it continues to offer (it)," said MEA secretary (west) Sibi George. He said the Constitution guarantees sovereign, socialist, secular democratic republic, and ensures justice, liberty of thought, expression, belief, faith and worship as well as equality of opportunity through fundamental rights and principles.

Farmers, women, youth 'at core' of governance, FM slams Rahul

New Delhi, Agency: Finance minister Nirmala Sitharaman on Tuesday hit out at leader of the opposition, Rahul Gandhi, and dismissed charges of 'crony capitalism'. On X, she listed out multiple welfare schemes and policies of the Modi govt and underlined that farmers, the poor, women, youth, and MSMEs are "at the core" of the governance structure.

"We are focused on the welfare of common people," she said in a social media post. She asserted that since 2014, Modi govt has served every sector and every section of society through its "policies and initiatives". Earlier in the day, Rahul had said an economic storm is coming and "Ambani-Adani structure that govt built will come crumbling down". "It's sad that common people will have to suffer," he alleged. Countering the charge, Sitharaman said: "If Congress and its netas cannot contribute positively to nation building, they should stop being obstructionists. A responsible opposition does not engage in fear mongering." She said govt had helped open 58 crore Jan Dhan accounts and 57 crore Mudra accounts.

"...Are PM Vishwakarma Yojana, PM Internship scheme for...? Are e-Shram cards, G RAM G Act which provides 125 days of employment without leaks, Ayushman Bharat for...? Are 9 crore+ PM Kisan disbursements for...?" she posted on X. Sitharaman stressed that govt continued to protect farmers by not passing high international fertiliser prices.

Standards for fuel blends up to E30 notified

New Delhi, Agency: Govt has notified a new standard for higher ethanol-petrol blends - E22, E25, E27 and E30 fuels - paving the way for blending of ethanol in petrol beyond the current 20% level. The govt push to increase ethanol blending comes amid reports of availability of surplus ethanol and to reduce crude imports due to the conflict in West Asia, which has impacted the energy supply chain. The new BIS standard, published on May 15, has laid down specifications for fuel blends made by mixing completely free-of-water (anhydrous) ethanol with motor gasoline for use in "positive ignition engine-powered vehicles", or petrol-powered vehicles.

The standard has defined technical and quality parameters, such as composition, blending requirements, permissible impurity levels, testing methods and safety norms.Meanwhile, amid concerns over the impact that use of E25 (25% blending in petrol) may have on existing vehicles with regard to mileage and engine life, the petroleum ministry has tasked the Automotive Research Association of India (ARAI) to carry out a detailed study on vehicles that are currently compliant with E10 and E20.

CBI arrests fifth accused in Bengal CM Suvendu Adhikari aide's murder case

New Delhi, Agency: The Central Bureau of Investigation has arrested Vinay Rai, the fifth accused in the murder case of Chandranath Rath, personal assistant to West Bengal chief minister Suvendu Adhikari.

Rai was arrested from Varanasi in Uttar Pradesh as the probe into the high-profile killing widened across multiple states. Investigators are examining the role of hired shooters and the wider conspiracy behind the murder.

Chandranath Rath, a close aide to Adhikari, was shot dead inside his car near Doharia crossing in Madhyamgram in North 24 Parganas district on the night of May 6, barely 170 metres from his residence. His driver, Buddhadeb Bera, sustained critical injuries in the attack and continues to remain under treatment. Earlier, a Special Investigation Team (SIT) probing the murder had arrested four accused before expanding its investigation beyond West Bengal. According to investigators, the attackers executed the operation with "military-style precision" in less than a minute.

Police suspect hired sharpshooters were brought in from outside the state to carry out the killing. Investigators said a silver-coloured hatchback intercepted Rath's vehicle before bike-borne assailants opened fire at close range.

The SIT recovered two motorcycles allegedly used in the crime, one from the airport area and another near rail gates 11 and 12 in Barasat.

After ousting Didi's govt in Bengal BJP ends 'Bhaipo tax' on truckers

Jamtara, Agency: Bhaipo (nephew) tax. Danda tax. Bamboo barricades. Illegal nakas. Highway strongmen from alleged "syndicates" armed with sticks. For decades, drivers of commercial vehicles entering Bengal from Jharkhand said those words defined border crossings more than signboards or toll gates. Trucks slowed. Cash changed hands.

Arguments invited threats, smashed rear-view mirrors and punctured tyres. Delays wrecked delivery schedules and ate into earnings. That grind has abruptly eased. Days after BJP assumed office in Bengal on May 9, the state govt issued a zero-tolerance directive against "extortion nakas". District magistrates were told to dismantle illegal collection points and prevent their return. Truckers said the result is visible already. Key crossings along NH-2 and adjoining state roads that once choked under bamboo barriers and unauthorised toll booths are now moving freely.

Drivers transporting goods between Jharkhand, Bengal, the NorthEast and Bangladesh said harassment has dropped sharply over the past fortnight. Nearly 50,000 trucks move through Bengal every day, making the state a critical logistics hub connecting eastern India, NE and five transit points into Bangladesh. "Two types of unofficial levies were common in Bengal - Bhaipo tax and danda tax," said Sajal Ghosh, general secretary of the Federation of Truck Operators Association in Bengal, referring to TMC MP and former CM Mamata Banerjee's nephew Abhishek Banerjee. "Bhaipo tax has vanished. We want danda tax wiped out completely too." At Rupnarayanpur near Jharkhand's Mihijam crossing, truckers said traffic now moves without roadside collection. "It all shut down after May 4," said e-rickshaw driver Tapan Das. Drivers described payments at multiple points across Paschim Bardhaman and Purulia districts. "If you refused, they stopped and harassed you for hours till you paid. That has stopped," truck driver Vishal Roy said.